RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 12 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्युनतम तापमान 11 डिग्री

मंगलवार 18 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :45 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 27 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 पाक में बढ़ती दहशतगर्दी और भारत की सुरक्षा चुनौती

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 032 | गाजियाबाद, मंगलवार 18 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
BHIM UPI
Canara ai1 CSDC Paytm
Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

लकीर की फ़क़ीर नहीं बन सकते, जारी रहेगी भारत की विकास यात्रा: योगी

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा सरकार लकीर की फकीर नहीं बन सकती।

पिछले 11 वर्षों में देश के चहुंमुखी विकास को दुनिया ने देखा है और यह विकास यात्रा आगे भी जारी रहेगी।

बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडी) के दीक्षांत समारोह में छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उन्होने कहा " हम लकीर के फ़क़ीर नहीं बन सकते हैं । आपने भारत की विकास यात्रा को 11 वर्ष में देखा है और यह आगे भी जारी रहेगा।"

योगी ने कहा कि, " आज आप देखते होंगे कि स्पोर्ट्स लोगो के दिनचर्या का हिस्सा बनता जा रहा है, अखिलेश दास जी यूनियन कैबिनेट में जब थे, उस समय मुझे भी सांसद के रूप में देश की संसद में रहने का अवसर प्राप्त हुआ था।"

उन्होने कहा, " हम लकीर के फ़क़ीर नहीं बन सकते है, आपने भारत की विकास यात्रा को 11 वर्षों में देखा है, मोदी जी ने देश के अंदर डिजिटल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाया।" योगी ने कहा कि अपने उन विभूतियों के प्रति जिनके नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित है उनके प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा का भाव हो।

भारत की प्राचीन परपंरा में जब कोई स्नातक गुरुकुल से अपनी शिक्षा पूरी करके निकलता था तो शिक्षक द्वारा सन्देश दिया जाता था कि 'जीवन में सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना'। मुख्यमंत्री ने कहा " देश के अंदर हमारी 56 फीसदी आबादी वर्कफोर्स है। प्रधानमंत्री ने 2020 में भारत को नेशनल एजुकेशन पालिसी दी।

स्केल को स्किल से जोड़ने के लिए कारगर तरीक़े अपनाये गए। आपने देखा होगा रोबोटिक में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। हमे भी प्रयास करने होंगे।

सीवर के मैनहोल की सफ़ाई करते हुए जिसमे सफाईकर्मी अपना दम तोड़ देता है, हम तकनीक का उपयोग कर सकते है और मानव क्षति को कम कर सकते हैं।"

अनिल अंबानी ने फेमा मामले में दूसरी बार ईडी के समक्ष पेश होने से इनकार किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश होने से सोमवार को दूसरी बार इनकार कर दिया। व्यवसायी ने कहा कि वह संघीय जांच एजेंसी के समक्ष ''डिजिटल उपस्थिति/रिकॉर्डेड वीडियो'' के माध्यम से बयान दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। यह बयान उन्होंने 14 नवंबर को पहली बार समन पर पेश न होने पर दिया था।

ईडी ने अंबानी की यह पेशकश ठुकरा दी थी और उन्हें सोमवार को पेश होने के लिए नया समन जारी किया था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एजेंसी अब तीसरा समन जारी करेगी या नहीं।

फेमा के अंतर्गत कार्यवाही दीवानी प्रकृति की होती है, जबकि धनशोधन निरोधक कानून के अंतर्गत (कार्यवाही) आपराधिक प्रकृति की होती है।

अनिल अंबानी (66) के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''श्री अनिल डी. अंबानी ने ईडी के लिए उपयुक्त किसी भी तारीख और समय पर वर्चुअल उपस्थिति/रिकॉर्डेड वीडियो के माध्यम से अपना बयान दर्ज कराने के लिए खुद को उपलब्ध कराने की पेशकश की है।'' सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अंबानी को व्यक्तिगत रूप से शुक्रवार को पेश होकर फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था।

यह जांच जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित है। ईडी ने पहले एक बयान में कहा था कि हाल ही में धनशोधन निरोधक कानून के तहत अंबानी और उनकी कंपनियों की 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के बाद ईडी ने एक बयान में कहा था कि आर-इंफ्रा के खिलाफ (फेमा के तहत की गई) तलाशी कार्रवाई में पाया गया कि राजमार्ग परियोजना में कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की ''हेराफेरी'' की गई थी।

असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण मंगलवार से, यह एक खास संक्षिप्त समीक्षा जैसा होगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने नागरिकता के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों वाले सीमावर्ती राज्य असम की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआर) मंगलवार से कराने की घोषणा की है जिसमें आगामी पहली जनवरी तक मतदाता बनने की अर्हता वालों के नाम शामिल किये जा सकते हैं।

असम में एसआर की घोषणा ऐसे समय की गयी है जबकि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम सितंबर में पूरा किया गया था और उसके बाद इस समय 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों - अंडमान निकोबार, चंडीगढ़, गोवा, गुजरात, केरल , लक्ष्यद्वीप, मध्य प्रदेश, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु , उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की मतदाता सूचियों के एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। आयोग ने सोमवार को स्पष्ट किया है कि असम में नागरिकता संबंधी कुछ विशिष्ट प्रावधानों और इस समय नागरिकता सत्यापन के लिए चल रही प्रक्रियाओं को देखते हुए वहां एसआईआर की जगह केवल विशेष पुनरीक्षण (एसआर) कराया जा रहा है। इसमें बूथ श्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं के सत्यापन और उनके बारे में आवश्यक संशोधन के लिए एक पुश्तिका के साथ घर घर जाएंगे।

असम की सूची के पुनरीक्षण के बारे में जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि, ' चुनाव आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के अंतर्गत असम में अर्हता तिथि 01.01.2026 के संबंध में 18.11.2025 से शुरू होने वाले विशेष पुनरीक्षण का आदेश दिया है।'

असम राज्य में नागरिकता के लिए विशेष प्रावधान हैं और वहां नागरिकता का सत्यापन उच्चतम न्यायालय की देखरेख में पहले से किया जा रहा है।

वहां नागरिकता सत्यापन का काम अंतिम चरण में बताया जा रहा है। इसलिए, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के स्थान पर विशेष पुनरीक्षण (एसआर) का आदेश दिया जा रहा है।

आयोग के एक अधिकारी ने कहा, ' कुछ विशिष्ट कारणों से असम में इस समय सूचियों एसआईआर की जगह एसआर कराया जा रहा है जो एक प्रकार से विशेष सरसरी समीक्षा (एसएसआर) जैसी होगी। इसमें एसआईआर की तरह से मतदाता गणना फार्म नहीं भरवाये जाएंगे।'

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार असम में 18 से 21 नवंबर तक प्रपत्रों की छपाई और अधिकारियों के प्रशिक्षण आदि का काम होगा। बूथ श्तरीय अधिकारी (बीएलओ) 22 नवंबर से घर-घर वर्तमान सूची में शामिल नामों के बारे में सत्यापन कार्य शुरू करेंगे।एसआर के तहत मतदाताओं की तस्वीरों में सुधार, मतदान केंद्रों का युक्तिकरण अथवा उनका पुनर्व्यवस्थापन भी किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत सूची का मसौदा 27 दिसंबर 2025 को प्रकाशित किया जाएगा। उस पर दावे और आपत्तियाँ 27 दिसंबर से 22 जनवरी दाखिल करायी जा सकेंगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 फरवरी 2026 को किया जाएगा। घर-घर सत्यापन के दौरान, बीएलओ मतदाताओं के विवरण से युक्त पूर्व-भरे बीएलओ रजिस्टर के साथ मौजूदा मतदाताओं के घर जाएँगे और मतदाताओं से उक्त विवरण सत्यापित करेंगे और उसमें सुधार करेंगे।

नीतीश सरकार ने की 17 वीं विधानसभा भंग करने की सिफारिश

✷ वेबवार्ता. पटना ✷। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से सोमवार को मुलाकात कर 17 वीं विधानसभा भंग करने की सिफारिश की। श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में पूर्वाह्न मंत्रिमंडल की हुई बैठक में 17 वीं विधानसभा को भंग करने की सिफारिश से संबंधित प्रश्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को पांच साल के कार्यकाल में सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। बाद में श्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मिलकर बिहार विधानसभा भंग करने की मंत्रिमंडल की सिफारिश से संबंधित पत्र उन्हें सौंपा। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दो दिन बाद, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने रविवार को पटना में राजभवन में श्री खान को राज्य विधानसभा के 243 नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची सौंपी थी। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गयी है।

सऊदी अरब में सड़क हादसे में 42 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत

✷ वेबवार्ता. जेद्दाह ✷। सऊदी अरब में मदीना के पास सोमवार तड़के एक बस के डीजल के टैंकर से टकरा जाने से कम से कम 42 तीर्थयात्रियों के मारे जाने की आशंका है। हादसे के समय बस मक्का से मदीना जा रही थी। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने दुर्घटना की पुष्टि की है और हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। दूतावास ने कहा, 'सऊदी अरब के मदीना के पास भारतीय तीर्थयात्रियों की बस दुर्घटना के मद्देनजर जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह कक्ष सातों दिन 24 घंटे काम करेगा। हेल्पलाइन का संपर्क विवरण इस प्रकार है: 8002440003 (टोल फ्री), 0122614093, 0126614276, 0556122301 (व्हाट्सएप)।' माना जा रहा है कि हताहतों में ज्यादातर लोग तेलंगाना के निवासी थे। अभी तक विश्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने बंगलादेशी पूर्व पीएम शेख हसीना को सुनायी मौत की सजा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बंगलादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सज़ा सुनायी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार आईसीटी-बीडी ने पिछले साल सरकार के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान घातक कार्रवाई के लिये सुश्री हसीना को मौत की सजा सुनायी है। न्यायाधिकरण ने उनके अलावा पूर्व गृह मंत्री असदोज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनायी है।इन दोनों को 'मानवता के विरुद्ध विभिन्न अपराधों 'के लिए दोषी ठहराया गया था। सुश्री हसीना इस समय में भारत में हैं और उनकी अनुपस्थिति में उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया।

एनआईए ने लाल किला विस्फोट मामले में आरोपी को दिल्ली की अदालत में पेश किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को लाल किला विस्फोट मामले में एक आरोपी को दिल्ली की अदालत में पेश किया। आरोपी आमिर राशिद अली को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। मीडियाकर्मियों को अदालत में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय राजधानी में 10 नवंबर को लाल किले के पास विस्फोटकों से लदी एक कार में हुए विस्फोट में 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। लाल किले के पास विस्फोट के लिए इश्तेमाल की गई कार को जम्मू कश्मीर के पुलवामा का डॉक्टर उमर नबी चला रहा था। उमर का संबंध एक ''सफेदपोश'' आतंकी मॉड्यूल से था।

आतंकवादियों और उनके समर्थकों के प्रति समान दृष्टिकोण जारी रहेगा: सेना प्रमुख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को पाकिश्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत आतंकवादियों और उनके समर्थकों के प्रति समान दृष्टिकोण रखता रहेगा और आतंकवाद का कड़ा जवाब देगा।

सेना प्रमुख ने एक संवाद सत्र में यह भी कहा कि दोनों देशों के नेतृत्व के बीच बातचीत के बाद पिछले एक साल में चीन के साथ भारत के संबंधों में सुधार हुआ है।

पाकिश्तान से सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर, जनरल द्विवेदी ने कहा कि नई दिल्ली पाकिश्तान से निपटने में 'नई सामान्य स्थिति' की नीति अपना रही है और अगर पड़ोसी देश भारत को निशाना बनाने वाले आतंकवादी समूहों का समर्थन करना जारी रखता है तो यह उसके लिए एक चुनौती होगी।

न्होंने कहा, ''भारत प्रगति और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करता है। अगर कोई हमारे राश्ते में बाधा डालता है, तो हमें उसके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।'' सेना प्रमुख ने कहा, ''हमने कहा है कि बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते; खून और पानी साथ-साथ नहीं चल सकते। हम शांतिपूर्ण प्रक्रिया के पक्ष में हैं, जिसमें हम सहयोग करेंगे। तब तक, हम आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के साथ एक जैसा व्यवहार करेंगे।''

उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिश्तान की परमाणु धमकी का हवाला देते हुए कहा, ''आज भारत ऐसी स्थिति में है कि उसे किसी भी ब्लैकमेलिंग का डर नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवाद से निपटने में हमारी नई सामान्य स्थिति पाकिश्तान के लिए एक चुनौती होगी।''

सेना प्रमुख ने कहा, ''आज के समय में हमारी प्रतिरोधक क्षमता बहुत मजबूत है। हमारी प्रतिरोधक क्षमता काम कर रही है।''

जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को निरश्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा, ''इसके बाद राजनीतिक स्पष्टता आई है। आतंकवाद में भारी गिरावट आई है।''

सेना प्रमुख ने यह भी संकेत दिया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मणिपुर का दौरा करने पर विचार कर सकती हैं क्योंकि राज्य में स्थिति में सुधार हो रहा है।

उत्तराखंड सरकार को कॉर्बेट बाघ अभयारण्य में पेड़ कटाई से हुए नुकसान की भरपाई का निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उत्तराखंड सरकार को जिम कॉर्बेट बाघ अभयारण्य में पेड़ों की कटाई और

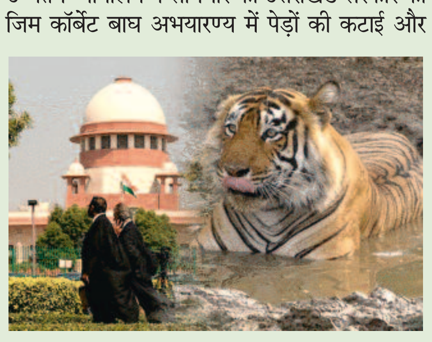

अवैध निर्माण सहित अन्य गतिविधियों से हुए नुकसान की भरपाई के लिए उपाय करने का निर्देश दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुख्य वन्यजीव वार्डन को शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के परामर्श से काम करने का निर्देश दिया ताकि तीन महीने के भीतर सभी अनधिकृत संरचनाओं को ध्वश्त किया जा सके। पीठ ने निर्देश दिया, ''सीईसी उत्तराखंड द्वारा विकसित पारिस्थितिकी पुनरुद्धार योजना की निगरानी करेगी।'' उसने राज्य सरकार को अवैध रूप से काटे गए पेड़ों की भरपाई के लिए उपाय करने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा, ''अगर पर्यटन को बढ़ावा देना है, तो इको-टूरिज्म होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमने अपने परिवारों से दूर मुख्य क्षेत्र में काम करने वालों के साथ विशेष व्यवहार करने का निर्देश दिया है।''

फैसले में कहा गया है कि उत्तराखंड राज्य को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को हुए पारिस्थितिकीय नुकसान की भरपाई और पुनरुद्धार का निर्देश दिया जाता है।

उन्होंने कहा, ''बाघ सफारी के संबंध में... हमने दिशानिर्देश जारी किए हैं। हमने माना है कि ये 2019 के नियमों के अनुरूप होने चाहिए। बचाव केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए और उपचार व देखभाल में सहायता प्रदान की जानी चाहिए। ये केंद्र बाघ सफारी के पास होने चाहिए। वाहनों की संख्या को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।'' पीठ ने तीन महीने में बाघ संरक्षण योजना तैयार करने का भी आदेश दिया। विश्तृत निर्णय की प्रतीक्षा है।

आजम खान और उनके बेटे को कोर्ट ने सुनाई सात साल की सजा, दो पैन कार्ड मामले में पाए गए दोषी

✷ एनसीआर टुडे. रामपुर ✷

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान और उनके बेटे, पूर्व विधायक मोहम्मद अब्दुल्ला आजम को रामपुर की एक स्पेशल एमपी/एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 2019 के दोहरे पैन कार्ड मामले में दोषी ठहराया है। कोर्ट ने बाप-बेटे को सात साल कैद की सजा सुनाई है।

इसके अलावा दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। फैसले के बाद दोनों को अदालत ने तुरंत कस्टडी में ले लिया। यह मामला 2019 का है। रामपुर विधायक आकाश सक्सेना ने अब्दुल्ला आजम के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि दो अलग-अलग जन्म प्रमाणपत्रों के आधार पर दो पैन कार्ड बनवाए गए। उन्होंने चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु पूरी न करने के बावजूद विधायक बनने के लिए यह सब किया।

आजम खान 2017 में अखिलेश सरकार में नगर विकास मंत्री थे। उन्होंने अपने रसूख के दम पर लखनऊ नगर निगम से बेटे का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र (बर्थ सर्टिफिकेट) बनवाया। उसी के आधार पर फर्जी पैन कार्ड बनवाकर अब्दुल्ला को चुनाव लड़वाया था।

रामपुर कोर्ट का यह फैसला आजम

के खिलाफ दर्ज 104 मुकदमों में से एक है। अब तक अदालत 11 मामलों में फैसला सुना चुकी है। इनमें से 6 मामलों में आजम को सजा हो चुकी है। वहीं, 5 मामलों में उन्हें बरी किया गया।

2 महीने पहले ही सभी केस में जमानत मिलने के बाद आजम सीतापुर जेल से बाहर आए थे। अब फिर से जेल पहुंच गए।

आजम के इशारे पर बने बेटे के 2 पैन कार्ड इस केस का ट्रायल एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा था। इसमें दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी हो चुकी थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान वादी आकाश सक्सेना के वकील संदीप सक्सेना ने तर्क दिया कि अब्दुल्ला आजम के साथ उनके पिता भी दोषी हैं। आजम पर आरोप लगा कि उनके इशारे पर ही दोनों पैन कार्ड का अब्दुल्ला ने समय-समय पर अलग-अलग इश्तेमाल किया। आज दोपहर बाद आजम खान और अब्दुल्ला आजम कोर्ट में पेश हुए।

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता : न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अवमानना नोटिस जारी किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने के उसके निर्देश का पालन नहीं करने पर सोमवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने 31 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष को बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता के मामले में तीन महीने के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया था। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने बीआरएस नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर अध्यक्ष और अन्य को नोटिस जारी करते हुए उसके पहले के निर्देशों का पालन नहीं करने को ''घोर अवमानना'' करार दिया।

हालांकि, पीठ ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष और अन्य को अगले आदेश तक व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी। पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय की ओर से दायर एक अलग याचिका पर भी नोटिस जारी किया जिसमें

संक्षिप्त समाचार

इस्तीफे की अटकलों के बीच डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा, वह पार्टी के एक अनुशासित सिपाही हैं

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को लेकर पिछले कुछ महीनों से लगातार नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें लग रही है। शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की राहुल गांधी से मुलाकात के बाद कैबिनेट फेरबदल और वरिष्ठ नेता शिवकुमार के पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही थी। अब डिप्टी सीएम शिवकुमार ने पार्टी की प्रदेश इकाई अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की अटकलों को रविवार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के एक अनुशासित सिपाही हैं। सरकार में मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल पर जोर देते हुए डिप्टी सीएम शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि फेरबदल का निर्णय पूरी तरह सीएम सिद्धरमैया का विशेषाधिकार है और यह पार्टी आलाकमान के साथ विचार–विमर्श के बाद किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कर्नाटक में 100 नए कांग्रेस कार्यालयों के शिलान्यास समारोह का निमंत्रण देने के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पास दिल्ली आए थे। नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा, ''शिलान्यास समारोह और कई अन्य कार्यक्रम होने वाले हैं। यह सब कौन संभालेगा? मुझे ही करना है। मैं (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से) इस्तीफा देने की बात क्यों कहूंगा? अभी ऐसी स्थिति नहीं आई है।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक अनुशासित सिपाही की तरह पार्टी की सेवा के लिए समर्पित हूं और मुझे जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है, मैं उसे पूरा करता हूं। मैं इस्तीफे की धमकी देकर पार्टी को ब्लैकमेल नहीं करता हूं।'' शिवकुमार ने इन अटकलों को मीडिया की उपज बताया और कहा, ''मैं कांग्रेस को ब्लैकमेल करने वाला नहीं हूं। मैंने इस पार्टी को खड़ा किया है और इसके लिए दिन–रात अथक परिश्रम किया है। मैं आगे भी ऐसा करता रहूंगा। हमारी पार्टी 2028 में (कर्नाटक में) सत्ता में वापसी करेगी।''

तो अगला चुनाव भी हारेगी कांग्रेस: फडणवीस

संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग या अदालतों में बिना कोई सबूत पेश किए वोट चोरी और चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाने से कांग्रेस को आगामी चुनावों में भी हार का सामना करना पड़ेगा। हाल ही में हुए बिहार चुनाव में कांग्रेस की करारी हार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फडणवीस ने यह टिप्पणी की। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को केवल छह सीट पर जीत मिली। छत्रपति संभाजीनगर जिले के चिखलथाना में एक कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक किस्मत बदलने के लिए जनता से फिर से जुड़ना होगा और उसके मुद्दों को ईमानदारी से उठाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस वोट चोरी और ईवीएम जैसे मुद्दे उठाती है, लेकिन जब अदालत या निर्वाचन आयोग सबूत मांगता है, तो वे सबूत देने में विफल रहते हैं। फडणवीस ने कहा कि अगर कांग्रेस के लोग अपने रवैये में सुधार नहीं करेंगे, तो मेरा अनुमान है कि आगामी स्थानीय चुनाव में भी उन्हें ऐसी ही हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को निराधार आरोप लगाना बंद करना होगा। फडणवीस ने रावसाहेब दानवे, मंत्री अतुल सावे, पंकजा मुंडे, मेघना बोर्डिकर और सांसद भागवत कराड की उपस्थिति में भाजपा के नए क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी जीत पर उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करता आ रहा है।

लालकिला ब्लास्ट में 2000 कश्मीरी छात्रों से पूछताछ

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से मिले थे अहम सुराग

फरीदाबाद , एजेंसी। दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट में 12 लोगों की मौत के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी जांच और तेज कर दी है। इसी क्रम में फरीदाबाद पुलिस ने सोमवार को शहर में किराए पर रह रहे बड़ी संख्या में कश्मीरी छात्रों व अन्य किरायेदारों से पूछताछ जारी रखी। अब तक 2000 से ज्यादा छात्रों और किरायेदारों से पूछताछ की जा चुकी है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि कहीं इस व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े और भी सुराग तो नहीं छूट गए।

फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी इस मामले में सबसे पहले शक के दायरे में आई थी। यहां से हथियार, विस्फोटक, अमोनियम नाइट्रेट समेत कई आपत्तिजनक सामान मिलने के बाद एजेंसियों ने इंटर-स्टेट जांच शुरू की। दिल्ली, फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर में लगातार छापेमारी और पूछताछ चल रही है।

सोमवार को फरीदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम फिर यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंची और ब्लास्ट मॉड्यूल से जुड़े कई पहलुओं पर जांच की। हालांकि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने साफ किया है कि आरोपी डॉक्टरों से उनका संबंध उनकी आधिकारिक भूमिका तक ही सीमित था, और कैंपस में कोई संदिग्ध सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा। जांच में खुफिया एजेंसियों ने 20 लाख रुपये की हवाला फंडिंग का सुराग भी निकाला है। यह रकम कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर द्वारा तीन डॉक्टरों – उमर, मुझम्मिल और शाहीन को भेजी गई थी। इनमें से करीब 3 लाख रुपये 26 क्विंटल एनपीके फर्टिलाइजर खरीदने में खर्च किए जाने का शक है। यह खाद कृषि के अलावा विस्फोटक तैयार करने में भी इस्तेमाल की जा सकती है। प्रारंभिक जांच बताती है कि आरोपी समूह जोड़ों में घूमकर कई जगह एक-साथ ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट करने की योजना पर काम कर रहा था। दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की है कि रेड फोर्ट के पास कार ब्लास्ट करने वाला शख्स डॉ. उमर उन-नबी था। फॉरेंसिक ष्ठहृ टेस्टिंग में उसके सैंपल उसकी मां से मैच कर गए। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने शनिवार को रेड फोर्ट ब्लास्ट मामले में नई एफआइआर दर्ज की, जबकि अब इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी के हवाले कर दी गई है। इसी बीच, नेशनल मेडिकल कमीशन ने कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर के चार डॉक्टरों डॉ. मुझफ्फर अहमद, डॉ. आदिल अहमद राथर, डॉ. मुझम्मिल शाकिल और डॉ. शाहीन सईद का मेडिकल रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

कहता था शादी करेंगे, संबंध बनाया और मुकर गया, प्रेमी के घर 5 दिन धरने पर बैठी प्रेमिका

कुशीनगर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक प्रेमिका अपने प्रेमी के घर के दरवाजे पर धरने पर बैठ गया। 18 साल की इस प्रेमिका ने प्रेमी पर आरोपों की झड़ी लगा दी। प्रेमिका ने आरोप लगाया कि शादी का झांसा देकर लड़के ने उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया और फिर शादी करने से मुकर गया। यहां तक कि अब उसका फोन भी न नहीं उठाता है।

मामला, कुशीनगर के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के एक गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार इंस्टाग्राम पर शुरू हुआ प्रेम प्रसंग अब धरने में तब्दील हो गया है। गोरखपुर की रहने वाली 18 साल की लड़की पिछले पांच दिन तक अपने प्रेमी के दरवाजे पर न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठी रही। लड़की का आरोप है कि लड़के ने सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद हुई मुलाकातों में शादी का भरोसा दिया था। इसके बहाने उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाया, लेकिन शादी की बात आने पर वह मुकर गया है।

लड़की के अनुसार एक साल पहले इंस्टाग्राम पर दोनों का परिचय हुआ था। बातचीत कुछ ही महीनों में प्रेम में तब्दील हो गया। लड़की के मुताबिक इस दौरान लड़के ने उसे शादी का आश्वासन दिया, जिस पर भरोसा कर लड़की ने संबंध आगे बढ़ाए, लेकिन जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो लड़के ने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि बातचीत भी बंद कर दी। गांव में मामले की चर्चा फैलते ही लोग इकट्ठा होने लगे। इस बीच लड़का और उसका परिवार घर छोड़कर फरार हो गया। इससे आहत लड़की दरवाजे पर बैठ खुद के साथ न्याय करने की मांग कर रही है। उसके परिजन भी पहुंचे, समझाने की कोशिश की, लेकिन लड़की अपनी जिद पर अडिग रही और प्रेमी के बिना घर लौटने से इंकार कर दिया। गांव में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में थानाध्यक्ष नेबुआ नौरंगिया दीपक सिंह ने बताया कि लड़की को सुरक्षा की दृष्टि से वन स्टॉप सेंटर भेजा गया है। लड़की के परिवारीजनों से बात कर तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। उचित कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद में जाम से राहत दिलाने को 4 सड़कों का चयन

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद आरडीसी समेत शहर की अतिव्यस्त चार सड़कें जाम मुक्त करने की तैयारी की जा रही है। इस पर गाजियाबाद नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) संयुक्त रूप से काम करेंगे। जाम से राहत के लिए पार्किंग की स्थिति बदलने के साथ अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसकी नगर निगम ने कार्य योजना तैयार कर ली है। निगम पहले चरण में चार सड़कों का चयन कर प्लान तैयार कर रहा है। पहले चरण में आरडीसी राजनगर, राजनगर एक्सटेंशन, शेषनाग द्वार और काला पत्थर रोड को जाम मुक्त कराया जाएगा। इन सड़कों पर सुबह और शाम ज्यादा दिक्कत होती है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने रविवार को निगम और जोनल अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसे स्थान चिह्नित किए जाएं, जहां अधिक जाम रहता है। इसके बाद प्लानिंग कर जाम खत्म करने का मॉडल तैयार किया जाएगा। पहले चरण में चार सड़कों का जाम फ्री करने के लिए चयन किया है। निगम अधिकारी के साथ विशेषज्ञ निरीक्षण करेंगे = नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बैठक में सभी जोनल प्रभारी और निर्माण विभाग टीम को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर हॉटस्पॉट चिह्नित करने के निर्देश दिए। साथ में विशेषज्ञ टीम के सदस्य भी स्थलीय निरीक्षण करेंगे। नगर आयुक्त ने बताया कि सबसे पहले आरडीसी से जाम की समस्या को खत्म किया जाएगा। सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए पार्किंग की स्थिति को बदला जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर यूटर्न बनाए जाएंगे। नगर आयुक्त ने बताया कि जाम को खत्म करने की तैयारी है। इसके लिए नगर निगम के अलावा यातायात पुलिस और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अधिकारी संयुक्त रूप से काम करेंगे।

यह चोरी नहीं, डकैती है... सब खुलेआम हुआ: अखिलेश यादव

लखनउ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कांग्रेस लीडर राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का समर्थन किया। बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यह सिर्फ वोट चोरी नहीं बल्कि डकैती है। अखिलेश ने कहा, 'यह चोरी नहीं है। चोरी तो छोटी चोरी होती है। यह डकैती है। खुलेआम की गई।' राहुल ने आरोप लगाया था कि देश में जानबूझकर वोट चोरी हो रही है। उन्होंने कलबुर्गी निर्वाचन क्षेत्र के अलंद का उदाहरण दिया, जहां अल्पसंख्यकों और पिछड़ी जातियों के वैध वोट हटाने की कोशिश की गई। सपा नेता 'विजन इंडिया : स्टार्टअप समिट' में भाग लेने के लिए बेंगलुरु में थे। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने अभी तक बूथ स्तर का विश्लेषण नहीं किया है, लेकिन परिणाम देखे हैं। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव एक लोकप्रिय चेहरा हैं और महागठबंधन सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ था। हमारा नजरिया सकारात्मक है, जबकि विपक्षी पक्ष का दृष्टिकोण विभाजनकारी है।' उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को लेकर उन्होंने आरोप लगाया, 'डबल इंजन सरकार ने सांप्रदायिक राजनीति का सहारा लिया।'

दलित से शादी नहीं करूंगा; रिलेशन बनाने के बाद मुकरा पुलिसकर्मी; हाईकोर्ट ने दिया झटका

बैंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक में दो पुलिसकर्मियों के बीच में शादी का झूठा वादा करके संबंध बनाने का मामला सामने आया है। महिला पुलिसकर्मी का आरोप है कि आरोपित ने साई बाबा की फोटो के सामने गुप्त रूप से उससे शादी की और फिर संबंध बनाए। अब आरोपित ने दलित होने का हवाला देकर उसे पत्नी मानने से इनकार कर दिया है। इसके बाद महिला ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। मामला दर्ज कराए जाने के बाद कॉन्स्टेबल ने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दर्ज कराई थी। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एस. राचौया की पीठ ने कहा कि इस मामले में स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट में आरोपितों को अग्रिम जमानत न देने का प्रतिबंध लागू होता है। ऐसे में उन्होंने याचिका को खारिज कर दिया।

पीठ ने अपना फैसला सुनाने के बाद टिप्पणी करते हुए कहा, शिकायत में कहा गया है कि आरोपित ने शिकायतकर्ता को अनुसूचित जाति से होने की वजह से पत्नी मानने से इनकार कर दिया है। ऐसे में संबंधित अपराध स्पष्ट रूप से एक्ट के तहत आते हैं। इसलिए धारा 18ए के तहत अग्रिम जमानत रोक लागू होती है और आरोपी को कोई राहत नहीं दी जा सकती।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पुलिसकर्मी साथ में काम करते थे। इसकी वजह से दोनों के बीच में नजदीकी बढ़ गई। शिकायत कर्ता के अनुसार आरोपित ने साई बाबा की फोटो के सामने उससे विवाह किया और उसे आश्वासन दिया कि वह जल्दी ही इस विवाह की सार्वजनिक रूप से घोषणा करेगा। इसके बाद आरोपित और उसके बीच में कई बार शारीरिक संबंध भी बनें। बाद में जब उसने शादी की बात कि तो उसने शिकायतकर्ता के अनुसूचित जाति से होने की वजह से पत्नी मानने से इनकार कर दिया।

शिकायतकर्ता के मुताबिक जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी कॉन्सटेबल ने उसके साथ मारपीट भी की। इस सब के बाद उसने थाने में जाकर मुकदमा दर्ज कराया।

गौरतलब है कि आरोपी कॉन्सटेबल भगवंतराया बसंतराया बीरादर ने पहले तूमकूरू सेशंस कोर्ट में जमानत याचिका दर्ज की थी, जहां उसकी याचिका को खारिज कर दिया गया ता। इसके बाद उसने हाई कोर्ट में याचिका दर्ज कराई थी। आरोपित के वकील ने दलील कि उसे झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने विवाह का प्रस्ताव रखा था, जिसे बीरादर ने खारिज कर दिया था। इसकी वजह से बदले की भावना में उसने यह मामला दर्ज कराया है।

बंगाल में एसआईआर के बीच बांग्लादेश भाग रहे अवैध घुसपैठिए': अमित मालवीय

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जांच के बीच यहां बड़ी तादाद में अवैध रूप से रहने वाले लोग वापस बांग्लादेश भाग रहे हैं। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब व्यवस्था जवाबदेह हो जाती है, तो अवैध वोटों पर आधारित पारिस्थितिकी तंत्र चरमराने लगता है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ममता बनर्जी का सावधानीपूर्वक पोषित वोट बैंक बिखर रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कड़ी जांच के बीच अवैध घुसपैठिए (बांग्लादेशी नागरिक और रोहिंग्या) बांग्लादेश वापस भाग रहे हैं।' उन्होंने बताया कि यह मामला पश्चिम बंगाल के स्वरूपनगर से सामने आया है, जिसको लेकर प्रसारित वीडियो जमीनी हकीकत बयां करता है। उन्होंने कहा, 'एसआईआर की शुरुआत के बाद से सीमा पार आवाजाही में काफी तेजी देखी गई है और स्थानीय निवासी खुद वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। '

टीएमसी सरकार को घेरते हुए अमित मालवीय ने कहा कि सच्चाई अब सबके सामने आ गई है। इसी बीच, भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक पुराना वीडियो जारी किया है। इसमें ममता बनर्जी संसद के अंदर खड़ी होकर नागरिकता से जुड़े विषय पर जवाब दे रही थीं।

भाजपा ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'एक जमाने में, ममता बनर्जी संसद में खड़ी होकर नागरिकता साबित करने के लिए एक ही पहचान पत्र के विचार का समर्थन करती थीं। उन्होंने देश को अवैध घुसपैठ के बारे में आगाह किया और इससे होने वाले खतरों के बारे में बताया। आज, वही ममता बनर्जी नागरिकता से जुड़े हर प्रयास को 'जनविरोधी' कहती हैं, जबकि घुसपैठिए बंगाल को बर्बाद कर रहे हैं, उसकी डेमोग्राफी बदल रहे हैं और उसकी सुरक्षा को खतरा बना रहे हैं।'

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने खोज निकाली छिपकली की नई प्रजाति

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता स्थित भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के विज्ञानियों ने आंध्र प्रदेश में पतली छिपकली (गेको) की एक नई प्रजाति का पता लगाया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक हेमीफिलोडैक्टाइलस वंश से संबंधित नई प्रजाति की यह छिपकली आंध्र प्रदेश के शेषाचलम बायोस्फीयर रिजर्व के भीतर तिरुमाला पर्वत श्रृंखला में पाई गई है। इसका आधिकारिक नाम हेमीफिलोडेक्टाइलस वेंकटाद्रि स्पेसीज नोव रखा गया है, जो तिरुमाला में पवित्र वेंकटाद्रि पहाड़ियों के प्रति सम्मान दर्शाता है। वेंकटाद्रि नाम संस्कृत शब्दों वेंकट (जिसका अर्थ है पापों को दूर करने) आंध्र प्रदेश के शेषाचलम वायोस्फीयर रिजर्व के भीतर तिरुमाला पर्वत श्रृंखला में पाई गई. अंतरराष्ट्रीय पत्रिका हरपेटोजोआ (खंड 38, 2025) में प्रकाशित यह खोज, जेडएसआई के फ्रेशवाटर बायोलाजी रीजनल सेंटर (हैदराबाद), रेप्टिलिया अनुभाग (कोलकाता) और फकीर मोहन विश्वविद्यालय (ओडिशा) की एक टीम का संयुक्त प्रयास था। आणविक विश्लेषण से गेको की एक अलग प्रजाति के रूप में स्थिति की पुष्टि होती है, जो प्रायद्वीपीय भारत में अपने निकट संबंधी प्रजाति से 9.7 – 12.9 प्रतिशत आनुवंशिक विचलन दर्शाती है।

बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारी, 1 करोड़ नौकरी और रोजगार समेत कई चुनौतियां

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद फोकस अब नई सरकार के गठन पर है। इसी क्रम में सोमवार को निवर्तमान मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक होगी, जिसमें निश्चित रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस दिशा में जरूरी कदम उठाने के लिए समर्थन मिलेगा। बैठक में निवर्तमान विधानसभा को भंग करने और नीतीश को राज्यपाल से मिलने के लिए अधिकृत करने के प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के दौरान 84 सार्वजनिक सभाएं कीं और अगली सरकार के एजेंडे पर जोर देते रहे। उन्होंने निवेशकों से राज्य में निवेश बढ़ाने की भी अपील की। चलिए हम आपको विस्तार से बताते हैं कि नई सरकार के गठन के बाद 5 बड़ी चुनौतियां क्या होंगी...

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनाव प्रचार के दौरान अगले पांच साल में 1 करोड़ नौकरियां पैदा करने का वादा बार-बार दोहराया। यह वादा 2020 के चुनावों से उपजा है, जहां आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की नौकरियों की अपील ने महागठबंधन को 110 सीटें दिलाई थीं। इसे समर्थन देने के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना लागू की है, जो महिला उद्यमियों को 10 लाख रुपये का अनुदान देती है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना पात्र महिला उद्यमियों

को 2.1 लाख रुपये मुहैया कराती है, जिसमें पहली गैर-वापसी योग्य किस्त के रूप में 1.51 करोड़ महिलाओं को 10 हजार रुपये बांटे गए। आगे की किस्तें व्यवसाय प्रस्ताव की व्यवहार्यता पर निर्भर करती हैं, जिसमें 1 करोड़ प्रस्तावों से कुल 2 लाख करोड़ रुपये की उम्मीद है। सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में करीब 5 लाख नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य रखती है।

राज्य को पिछले तीन वर्षों में सीमेंट, चमड़ा, परिधान, आतिथ्य और आईटी जैसे क्षेत्रों में 66,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। भविष्य में फोकस मखाना, केला, मक्का, आम, टमाटर, आलू और लीची उद्योगों के लिए कृषि और फूड प्रोसेसिंग में निवेश आकर्षित करने पर होगा। इससे अर्ध-शहरी और शहरी क्षेत्रों में लाखों नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। सरकार जिलों में मल्टी-स्पेशलिटी अस्पतालों को अपग्रेड करने या स्थापित करने की योजना बना रही है ताकि पटना के अस्पतालों पर दबाव कम हो। साथ ही, अगले पांच वर्षों में जिला स्तर पर नवोदय या सिमुलतला स्कूल मॉडल को दोहराने का इरादा है। पटना के बाहर सड़क परिवहन में सुधार को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला स्तर पर अधिक पिंक बसें शुरू करना और जिला मुख्यालयों व पटना के बीच सरकारी बसों को बढ़ाना शामिल है। पटना मेट्रो प्रोजेक्ट विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 3 किमी के खंड के साथ शुरू हुआ। इसके अगले दो वर्षों में विस्तारित होने की उम्मीद है। इसके अलावा, केंद्र सरकार की ओर से घोषित आधा दर्जन एक्सप्रेसवे आने वाले बरसों में पूरे होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विजय भाषण में जोर दिया कि नई पहलें महिला-युवा पर केंद्रित होंगी। यह जुलाई में घोषित राज्य युवा आयोग के साथ मेल खाता है। यह बेहतर शिक्षा व नौकरी परामर्श देने, युवाओं को खेलों से जोड़ने, स्वरोजगार के लिए स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित करने और व्यावसायिक प्रशिक्षण व कौशल विकास को सुगम बनाने के लिए काम करेगा।

कौशिक पैथोलॉजी लैब पर ब्लड बैंक का कैंप में थैलेसीमिया के बच्चो के लिए रक्ज दान किया

एनसीआर टुडे. किरतपुर । नगर अंतर्गत नगला इस्लाम में कौशिक पैथोलॉजी लैब पर शुभम सर्वम ब्लड बैंक बिजनौर का कैंप लगाया गया ।जिसमें रक्त दान दाताओं ने लगभग 40 ब्लड यूनिट थैलेसीमिया के बच्चों के लिए दान में दिया। उसके बाद समाजसेवा भाव से जागरूकता के उद्देश्य से लगभग 120 लोगों को हेलमेट वितरण करने का कार्य थाना प्रभारी किरतपुर श्रीमती पुष्पा देवी के द्वारा कराया गया ।जिन्होंने बाइक सवारों को संदेश दिया कि हमेशा अपनी ओर अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाइक चलाते समय हैल्मेट का प्रयोग जरूर करे। इस मौके पर वैभव शर्मा सतीश शर्मा विज्ञान प्रकाश मनोज कुमार प्रवेश तोमर नमन राजपुर फईम अहमद आदि काफी संख्या में लोग मोजूद रहे।

नगीना देहात पुलिस ने पर्स चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. बिजनौर । थाना नगीना देहात क्षेत्र में 16 नवंबर 2025 को राजीव पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम किशनपुर आमवाला ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका पर्स चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की। नगीना देहात पुलिस ने 17 नवंबर 2025 को घटना का खुलासा करते हुए आरोपी नईम पुत्र राशीद निवासी मोहल्ला पाटनपुर, कस्बा व थाना नजीबाबाद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी हुआ पर्स व ₹6100 नगद बरामद किए गए। वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन (UK07CD 3759) को भी कब्जे में लिया गया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ धाराओं में वृद्धि करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है

उत्पीड़न और उगाही का आरोप लगाया

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारियों का उत्पीड़न करने और उनसे अवैध उगाही करने का आरोप लगाया। इस मामले में अवैध उगाही करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जीएसटी के एडिशनल कमिश्नर से मिला और ज्ञापन सौंपा। महानगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष गोपीचंद के नेतृत्व में व्यापारी सोमवार को राजनगर स्थित जीएसटी कार्यालय पहुंचे। जहां एडिशनल कमिश्नर एक मानवेंद्र प्रताप सिंह से मुकालात की। इस दौरान व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने कहा कि कुछ अधिकारी व कर्मचारी व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं। साथ ही अवैध उगाही की मांग की जा रही है। इससे व्यापारी परेशान है। उन्होंने कहा कि सेक्टर पांच में एक अधिकारी विभागीय ड्राइवर के सहयोग से सर्वे व छापे के नाम पर अवैध वसूली कर रहे है। इस मामले से जुड़े कई प्रमाण पत्र भी महानगर अध्यक्ष ने उन्हें सौंपे। व्यापारियों की बात सुनने के बाद एडिशनल कमिश्नर ने शीघ्र ही कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। मौके पर महामंत्री अशोक चावला, सुनील गोयल, विपिन गोयल, पंकज गुप्ता, डा. हरीश शर्मा, संजीव गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बस की टक्कर से युवक के सिर में आई चोट, उपचार के दौरान मौत

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित गेट नंबर दो के पास दिल्ली सहारनपुर रोड पर रविवार शाम बस ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मार दी। रोड पर गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने घायल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी है। जनपद बागपत के थाना खेकड़ा की प्रेम विहार कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय फुरकान ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में एक वर्ष से नौकरी कर रहे थे। पिता सराजू ने बताया कि दो वर्ष पहले परिवार समेत गाजियाबाद अर्थला से प्रेम विहार कॉलोनी में रहने आये थे। उन्होंने बताया कि पुत्र एक कंपनी में जींस पैक करने का कार्य करता था। रविवार शाम को कंपनी में काम समाप्त होने के बाद करीब साढे पांच बजे घर लौटते समय वह पैदल औद्योगिक क्षेत्र के गेट नंबर दो की ओर जा रहा था।

युवक को सांप ने डसा, जिंदा सांप लेकर पहुंचा अस्पताल

एनसीआर टुडे. स्योहारा

नगर में गौरव कुमार को सांप ने डस लिया। उसने तुरंत झपट्टा मारकर सांप को दबोच लिया और खुद ही उसे लेकर अस्पताल आ गया। अस्पताल में गौरव की हालत स्थिर बनी हुई है।

स्योहारा नगर के मोहल्ला जोशियान में देर रात ऐसा वाकया सामने आया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। सांप के काटने के बाद जहां आमतौर पर लोग घबरा जाते हैं। वहीं गौरव कुमार (30) पुत्र किशनलाल जिंदा सांप को ही हाथ में पकड़कर सरकारी अस्पताल जा पहुंचा।

अस्पताल स्टाफ और वहां मौजूद लोग उसकी हिम्मत देखकर दंग रह गए। मोहल्ला जोशियान निवासी गौरव कुमार घर के पास ही काम कर रहा था। तभी अचानक एक सांप ने उसे डस लिया। लेकिन गौरव ने घबराने के बजाए ऐसा कदम उठाया, जिसे देख लोग दांतों तले उंगली दबा बैठे। उसने सांप को वहीं पकड़ लिया और बिना समय गंवाए उसे हाथ में लेकर सीधे एक किमी दूर सरकारी अस्पताल पहुंच गया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में जब गौरव जिंदा सांप लेकर अंदर आया, तो स्टाफ कुछ पल के लिए सकते में आ गया। डॉक्टरों ने तुरंत सांप को सुरक्षित हटवाया और गौरव को उपचार के लिए भर्ती कर लिया। प्राथमिक जांच में डॉक्टरों ने बताया कि गौरव की हालत फिलहाल स्थिर है और उसे पूरी निगरानी में रखा गया है। वहीं घटना की भनक लगते ही अस्पताल में लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि गौरव की हिम्मत काबिल-ए-तारीफ है।

सांप को पकड़कर अस्पताल ले जाने जैसी घटना की पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी है।

सड़क किनारे दिखा 16 फीट का अजगर, वन विभाग ने चलाया रेस्क्यू अभियान

एनसीआर टुडे. स्योहारा

कस्बे से मुकरंदपुर मार्ग पर दोपहर लोगों की नजर अचानक सड़क पर पड़े

एक विशाल अजगर पर पड़ी तो कुछ देर के लिए इलाके में हलचल बन गई। निपेन्नद् सिंह के कुएं के पास दिखाई दिए इस अजगर की लंबाई करीब 12फीट बताई गई है।

घटना की जानकारी किसान यूनियन नेता कामेंद्र सिंह को मिली, जिन्होंने तुरंत ही वन विभाग के रेंजर महेश गौतम से संपर्क किया। सूचना पर पहुंची टीम ने इलाके को हल्के घेराबंदी में लेकर सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया। करीब कुछ मिनटों की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया गया।

वन विभाग टीम ने अजगर को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद सुरक्षित क्षेत्र में छोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी। ग्रामीणों में राहत है कि समय रहते विभाग ने कार्रवाई कर दी।

सौरभ तोमर हत्याकांड का खुलासा, अवैध संबंधो के शक में पिता ही बना बेटे का कातिल

एनसीआर टुडे. बिजनौर

थाना नांगल क्षेत्र के ग्राम तिसौतरा में 15 नवंबर 2025 को खेत में सौरभ तोमर (उम्र 30 वर्ष) का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव के आधार पर मृतक की पत्नी की तहरीर पर थाना नांगल में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की।

थाना नांगल पुलिस ने जांच के दौरान मृतक के पिता शुभाष तोमर पुत्र मनफूल निवासी तिसौतरा पर शक गहरा होने पर उसे हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा, एक कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ। जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराएँ बढ़ाते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। कड़ी पूछताछ में आरोपी शुभाष तोमर ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने स्वीकार किया कि उसे अपने पुत्र सौरभ पर शक था कि उसकी पत्नी के साथ मृतक के अवैध संबंध थे। इसी शक और जलन के कारण उसने बेटे की हत्या की साजिश रची। 12 नवंबर को जब सौरभ खेत पर काम कर रहा था,। उसी दौरान शुभाष तोमर ने उसे आवाज देकर पास बुलाया और तमंचे से फायर कर दिया, लेकिन सौरभ बच गया। इसके बाद 14 नवंबर को आरोपी ने अपने बड़े बेटे को भी झूठी कहानी सुनाकर मामले को गलत दिशा देने की कोशिश की।

15 नवंबर को मौका मिलते ही शुभाष तोमर ने फिर से वार कर बेटे की हत्या कर दी ।शव को ईख के खेत में फेंककर जंगल में जानवरों द्वारा हमला होने का झूठा शक पैदा करने की कोशिश की थी पुलिस ने आरोपी शुभाष तोमर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हथियार बरामदगी और स्वीकारोक्ति के आधार पर पूरे मामले का खुलासा कर दिया गया है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

घर में जहरीला सर्प मिलने से परिवार में मचा हडकम, सर्प मित्र ने पकड़ा

एनसीआर टुडे. नहटौर। गांव ढकौली में घर में जहरीला सर्प दिखाई देने पर हड़कंप मच गया। परिवार के लोग दहशत में आ गए। सर्प मित्र ने रेस्क्यू करते हुए सर्प को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। सोमवार की सुबह करीब 6:00 बजे मिली जानकारी के मुताबिक नहटौर क्षेत्र के गांव ढकौली निवासी ब्रह्मपाल सिंह के घर में रविवार/सोमवार की रात को एक सर्प दिखाई दिया। जिसको लेकर परिवार के लोग दहशत में आ गए। सूचना पर सर्प मित्र बी भास्कर मौके पर पहुंचे और उन्होंने रेस्क्यू करते हुए सर्प को पकड़ लिया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।रसैल वाइपर प्रजाति का सर्प बताया जा रहा है।

कुश्ती में चमका चांदपुर का सितारा

मुरादाबाद में मयंक कुमार ने 61 किलो वर्ग में जीता स्वर्ण पदक

एनसीआर टुडे. चांदपुर

मुरादाबाद के महाराजा हरिशचंद्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरादाबाद में आयोजित अंतर–महाविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में चांदपुर का युवा खिलाड़ी मयंक कुमार स्वर्ण पदक जीतकर छा गया। गुलाब सिंह हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चांदपुर–स्याऊ के बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर के छात्र मयंक कुमार (पुत्र राजवीर सिंह) ने 61 किलोग्राम भार वर्ग में यह बड़ी उपलब्धि अपने नाम की।

प्रतियोगिता के दौरान मयंक कुमार ने बेहतरीन तकनीकी कौशल, संतुलन और फुर्ती का प्रदर्शन किया। शुरुआत से ही उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बनाए रखते हुए एक के बाद एक मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में भी मयंक ने दमदार पकड़ और तेज दांव–पेंच दिखाते हुए प्रतिद्वंदी पहलवान को मात दी और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मयंक की इस शानदार उपलब्धि ने महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। उनकी जीत न सिर्फ उनके कठिन परिश्रम का परिणाम है, बल्कि गुलाब सिंह हिन्दू (पी.जी.) कॉलेज द्वारा खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी दर्शाती है। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि मयंक जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा हैं।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर साधना ने मयंक को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने कॉलेज का नाम रोशन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मयंक भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी सफलता प्राप्त करेंगे।

खेल विभाग, शिक्षकगण एवं कॉलेज कर्मचारियों ने भी मयंक कुमार को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय श्तर पर भी मयंक की जीत की खबर से खुशी की लहर है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि मयंक की सफलता आने वाली पीढ़ी को खेल-कूद में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

मुजफ्फरनगर के शोरूम में होने वाली खाप पंचायत में नेतृत्व में दर्जनों गाड़ियों के साथ रवाना

एनसीआर टुडे. नहटौर

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी सत्यवीर सिंह उर्फ सोनू चौधरी के नेतृत्व में मुजफ्फरनगर के शोरूम में होने वाली खाप पंचायत में पहुंचने के लिए नाहटोर से चौधरी जगत सिंह डबास जिला सचिव, चौधरी सुजीत कुमार जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में दर्जनों गाड़ियों के साथ रवाना हुए।

यहां से नुमाइश ग्राउंड बिजनौर में जनपद बिजनौर से कोने-कोने से आए सभी भारतीय किसान यूनियन के योद्धा एकत्रित हुए वहां से सैकड़ो का गाड़ियों का काफिला मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुआ। आपको बता दें कि मुजफ्फरनगर के शोरूम में सर्वप्रथम की महापंचायत 16 17 18 नवंबर को हो रही है। जिसमें समाज में फैली कुर्तियां को दूर करने के लिए उन पर विचार व चिंतन किया जाएगा।

समाज में युवाओं में जो नशे का क्रेज बढ़ रहा है जिससे परिवार व समाज तबाह हो रहा है। इस पर गहनता से विचार किया जाएगा। समाज में मृत्यु भोज पर भी अंकुश लगाया जाने पर विचार किया जाएगा।

इस मौके पर शीशपाल सिंह, निशु त्यागी, सोनू सैनी, भोला सिंह, आदित्य दहिया, सतीश प्रधान, शमदन सिंह सैनी, सरदार सुरेंद्र सिंह फलोदिया, सरदार पुराण सिंह, सरदार गुरचरण सिंह, सरदार तनवीर, दलजीत सिंह और सतनाम सिंह हरमीत सिंह निरंकार सिंह जितेंद्र सिंह, चरणजीत सिंह, नितिन आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए।

जिला विकास समन्वय को निगरानी समिति 'दिशा' की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, सांसद नाराज

एनसीआर टुडे. बिजनौर

सांसद नगीना लोकसभा क्षेत्र एडवोकेट चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में पूर्वाहन 11:00 बजे जिला विकास समन्वय लिए एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर माननीय विधायक विधानसभा क्षेत्र चांदपुर स्वामी ओमवेश, जिलाधिकारी जसजीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुणाल रश्तोगी, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रकाश कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए सहित अन्य जिला श्तरीय अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि मौजूद थे।

बैठक शुरू करने से पहले माननीय सांसद श्री चंद्रशेखर आजाद एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास भवन परिसर स्थित डॉक्टर बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर ने बैठक के निर्धारित समय के बाद उपस्थित होने वाले अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि उनका स्पष्टीकरण तलब करें।

असंतुष्ट जवाब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही अमल में लाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि त्रैमासिक आयोजित होने वाली इस महत्त्वपूर्ण दिशा की बैठक को गंभीरता से लें। नियत समय पर उपस्थित होते हुए दिए गए निर्देशों का सख़्ती से अनुपालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि यदि विभागीय अधिकारी उक्त बैठक में उपस्थित होने में असमर्थ है तो अपने स्थान पर अधीनस्थ अधिकारी को नामित करते हुए उसकी सूचना पूर्व में ही मुख्य विकास अधिकारी को उपलब्ध कराएं। अपने प्रतिनिधि को समश्त अद्यतन सूचनाओं के साथ बैठक में प्रतिभाग के लिए भेजें।

उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में कोई भी पात्र विधवा/ निराश्रित महिला पेंशन के लाभ से वंचित न रहने पाए, उनको आच्छादित करने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कैम्पों का आयोजन कर पात्रता के आधार पर लाभार्थियों का चयन करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने जल जीवन मिशन ग्रामीण के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्रामों में पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़क की समुचित मरम्मत न कराए जाने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम एवं कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राथमिकता के आधार पर सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने गांवों में निर्मित की जाने वाली सड़कों की सुरक्षा के दृष्टिगत घरों/घेरों का पानी सड़क पर छोड़ने वाले ग्रामीणों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने की निर्देश दिए। उन्होंने नजीबाबाद एवं धामपुर शहर में बरसात के मौसम में कई दिनों तक जलभराव की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए नगर विकास के अधिकारियों के निर्देशित किया कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति उक्त शहरों अथवा किसी भी नगरीय क्षेत्र में न होने के लिए कार्य योजना बना कर शासन को प्रेषित करें और स्वीकृति के उपरांत तत्काल उसको धरातल पर उतारें ताकि शहरी क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण स्थापित हो सके।

उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लटके तारों को सही कराएं और जहां भी जर्जर तार पाए जाएं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सही कराना सुरक्षित करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने में अनावश्यक रूप से विलंब न करें। उन्होंने बैठक के दौरान शासन द्वारा संचालित सभी महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ उनका लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। बैठक का संचालन जिला विकास अधिकारी सुश्री रचना गुप्ता के द्वारा किया गया। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने माननीय सांसद को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

अबरार आलम एड0 ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारो को सम्मानित किया

बहन कुमारी मायावती ने मौका दिया तो लडूंगा विधानसभा का चुनाव एड. अबरार आलम

एनसीआर टुडे. नजीबाबाद

पूर्व ब्लाक प्रमुख व बसपा नेता अबरार आलम एडवोकेट की ओर से तहसील क्षेत्र के ग्राम भागूवाला में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर हुआ सम्मान समारोह, गोष्ठी व डीनर का आयोजन किया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के पत्रकारो को उनकी स्वच्छ पत्रकारिता के लिए शॉल ओढाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। रविवार की शाम 7 बजे ग्राम भागूवाला में बसपा नेता, पूर्व ब्लाक प्रमुख व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अबरार आलम एडवोकेट की ओर से नजीबाबाद हरिद्वार रोड स्थित होटल हिमालयन में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर एक पत्रकार सम्मान समारोह व डीनर का आयोजन किया गया। जिस में क्षेत्र के पत्रकारो को उनकी स्वच्छ पत्रकारिता के लिए अबरार आलम एडवोकेट ने शॉल ओढाकर व प्रतीक चिन्ह सम्मानित किया। इस मौके पर अबरार आलम एडवोकेट ने सभी मीडिया कर्मियों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। वही मंच से अबरार आलम एडवोकेट ने कहा कि वो काफी समय से क्षेत्र की जनता की सेवा करते आ रहे है। यदि बहन कुमारी मायावती उन्हें मौका देंगी तो वो 2027 विधानसभा चुनाव लड़कर जनता की एक बार फिर सेवा करना चाहेंगे।

कार्यक्रम को डॉक्टर साबिर अंसारी, हाशिम अहमद, शादाब ज़फ़र, शहजाद नोमानी,पूर्व प्रधान भागूवाला असगर ,शाही अराफ़ात सैफी, पीएस राठी, अशरफ अली, मुस्कीम अहमद आदि लोगों ने संबोधित किया गया। कार्यक्रम में हाशिम अहमद, शादाब ज़फ़र, नौशाद सैफी, शहजाद नोमानी, ताबिश मिर्जा, ज़की मलिक, मयंक कश्यप, अफजाल अंसारी, सलीम अहमद, मुस्कीम अहमद, अब्दुल रहमान अलवी, शाही अराफ़ात सैफी, रिहान अंसारी, गजेंद्र सिंह, मोहित कर्णवाल आदि पत्रकारो को स्वच्छ पत्रकारिता के लिए अबरार आलम एडवोकेट ने शॉल ओढाकर व प्रतीक चिन्ह सम्मानित किया। इस मौके पर डॉक्टर साबिर अंसारी, आबिद अंसारी, मौहम्मद असगर पूर्व प्रधान भागूवाला, महबूब सदर साहब, अनवार कप्तान, शब्बू भाई, इशाम, नईम दहीरपुर, फुरकान, भूरे, फारुक, वाजिब आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाशिम अहमद ने की व संचालन अब्दुल रहमान अलवी ने किया।

तमाशबीन बने रहे गाँव के लोग, गरीब की झोपड़ी पट्टी आशियाना को दबंग ने तोडकर जलाया

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़

जमीनी विवाद निपटाने के लिए महीने में दो बार थाना व तहसील दिवस लगाया जाता है।परन्तु उसके बाद जमीनी विवाद खत्म नहीं होता हार कर पीड़ित को न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

थाना क्षेत्र से दबंगों के द्वारा गरीब महिला का झोपड़ी पट्टी से बने हुए आशियाने को आग के हवाले कर उसमें कब्जा करने का प्रयास किया। मिली जानकारी के अनुसार नाजमा पत्नी खुर्शीद निवासी मौहल्ला मंझोली ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वो अपने परिवार सहित नगर के समीपवर्ती मेघपुर मे झोपड़ी बनाकर में रहती हैं।

बीते शनिवार की देर शाम समय करीब 7 बजे नगर के कुछ दबंगों लोगों ने मिलकर झोपड़ी को तोड़कर फेक दिया फिर उसमें आग लगा दी। झोपड़ी में रखा सामान नष्ट कर दिया। महिला का आरोप है कि कुछ घरेलू सामान दबंग भरकर ले गये। दबंगों ने जबरदश्ती कर उसमें निर्माण कार्य करने लगें एवं जान से मारने धमकी देने पर उतारू हो गए। उधर थानाध्यक्ष रामप्रताप सिंह कहना कि निर्माण कार्य रोक दिया गया। राजस्व विभाग के द्वारा दोनों पक्षों दश्तावेज जांच की जायेगी।

मामूली कहासुनी बनी -खुनी झड़प, बुजुर्ग बेहोश होकर गिरा

पीड़ित ने थाने में दी तहरीर, पुलिस ने जांच शुरू की

एनसीआर टुडे. झालू

कस्बा के मोहल्ला मिर्दगान में सोमवार शाम मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते गंभीर रूप ले लिया। मामले में लाठी-डंडों से हुई मारपीट में एक बुजुर्ग घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। पीड़ित शमशाद पुत्र अब्दुल समद ने बताया कि उसके पड़ोसी अलीम पुत्र नसीर अहमद उर्फ कल्लू ने उसके भाई की पत्नी रुखसाना परवीन के साथ अभद्रता की। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया।

शमशाद का कहना है कि जब वह अपने पिता अब्दुल समद और भतीजे जाकिर पुत्र बुन्दू के साथ समझाने पहुँचा तो अलीम के साथ सलीम पुत्र नसीर अहमद उर्फ कल्लू, फरीद पुत्र नफ़ीस और रिजवान पुत्र इस्सार अहमद भी आ गए। आरोप है कि सभी ने एकजुट होकर उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

हमले में शमशाद के बुजुर्ग पिता अब्दुल समद गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश होकर गिर पड़े। मारपीट के दौरान आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया। पीड़ित ने हल्दौर थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

झालू चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

उत्तर कुमार के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद

दुष्कर्म और धमकी के मामले में जमानत पर रिहा अभिनेता उत्तर कुमार के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा पीड़िता के केस की पैरवी कर रहीं अधिवक्ता ने दर्ज कराया है। आरोप है कि उत्तर कुमार ने अपनी सहयोगी से धमकी भरा और आपत्तिजनक वीडियो यू-ट्यूब पर अपलोड कराया। शिवानी ने कविनगर थाने में दी शिकायत देकर बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता हैं। अधिवक्ता का आरोप है कि उत्तर कुमार ने अपने लोगों से उन्हें धमकियां दिलवानी शुरू कर दीं। गालियां देने के साथ उन पर केस छोड़ने का दबाव बनाया। सात नवंबर को वह दुष्कर्म पीड़िता के साथ कोर्ट पहुंचीं थीं। आठ नवंबर को फरीदाबाद निवासी सोनम सैन ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें सोनम ने उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की।

अधेड़ ने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर जान दी

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की नाईपुरा कीर्ति विहार कॉलोनी में सोमवार तड़के अधेड़ ने कमरे में लगे पंखे से फंदा लगा लिया। बारात से घर लौटे बड़े पुत्र ने पिता के शव को पड़ोसियों की सहायता से पंखे से उतारकर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुटी है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की कीर्ति विहार कॉलोनी निवासी 46 वर्षीय इलियास ने सोमवार तड़के करीब पांच बजे कमरे में लगे पंखे में रस्सी की सहायता से फंदा लगा लिया। उनके बड़े पुत्र फरदीन ने बताया कि सुबह बारात से घर लौटने पर उन्होंने पिता को कमरे में पंखे से लटकता देखा। जिससे उनकी चीख निकल गई।

शोर सुनकर परिजन और पड़ोस में रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की सहायता से पिता के शव को फंदे से उतारा और पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने मौका मुआयना कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। व्यक्ति का बड़ा पुत्र ट्रोनिका सिटी में सिलाई का कार्य करता है।

संपादकीय

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

भारत में चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे जीवंत उत्सव है। मतदान जनता को अपनी आवाज सुनाने और नीतिगत दिशा तय करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान प्रशासन निष्पक्षता, सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ करता है-मतदान केंद्रों की तैयारी से लेकर जागरूकता अभियानों तक। चुनाव आयोग द्वारा की गई व्यवस्थाएँ नागरिकों के भरोसे को मजबूत करती हैं। वोट देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है, जो राष्ट्र के भविष्य को दिशा देती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है-क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं-मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना, या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं, और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है। मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं-वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है, तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार-मताधिकार-से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह सोच तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं, और दश्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों-जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल-का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें। एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है, लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना।

अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं-पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

पाक में बढ़ती दहशतगर्दी और भारत की सुरक्षा चुनौती

कांतिलाल मांडोत

दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर आतंक की चपेट में है। हाल ही में पाकिश्तान में हुए आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है।

यह सिर्फ एक आतंकी वारदात नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है जो पिछले कुछ वर्षों में पाकिश्तान की धरती पर पनपी है। जिस देश ने कभी आतंक को रणनीतिक हथियार के रूप में इश्तेमाल किया, वही अब उसकी आग में जल रहा है। लेकिन भारत के लिए यह चेतावनी का घंटा भी है, क्योंकि पाकिश्तान की धरती से संचालित आतंकी संगठन भारत के खिलाफ भी सक्रिय हैं। यदि इस बार इन हमलों में पाकिश्तान स्थित आतंकी संगठनों का हाथ पाया गया, तो भारत निश्चित रूप से जवाबी रुख अपनाएगा।

पाकिश्तान को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी भी समय समय पर दी कि जोकि तुम आतंकवाद के पनाहगाह बने है।एक दिन ये आतंकी संगठन तुमको ही रुलायेंगे।और पाकिश्तान में यही हो रहा है।आतंकी सरगना को एक एक कर मौत के घाट उतारने वाली घटना पूर्व में बनी है।लेकिन पाकिश्तान सुधरने वाला नही है।यह उसके जेहन में उतरता ही नही है।आतंकी फैक्टरियां पाकिश्तान में सक्रिय है।इस बार फिर से पाकिश्तान की धड़कने बढ़ गई है।उसने गुश्ताखी की होगी और आतंकी संगठनों की संलिप्तता होगी तो पाकिश्तान की हालत खराब होगी।

पाकिस्तान में बढ़ती आतंकी घटनाएँ

पिछले कुछ वर्षों में पाकिश्तान लगातार आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिश्तान और यहां तक कि इस्लामाबाद जैसे संवेदनशील इलाकों में भी आत्मघाती हमलों की श्रृंखला बढ़ी है। पाकिश्तान तालिबान, इस्लामिक स्टेट-खुरासान, और लश्कर-ए-झंगवी जैसे संगठनों ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली है।

हालिया आत्मघाती हमले में 12 निर्दोष नागरिकों की मौत और दर्जनों के घायल होने से यह स्पष्ट है कि पाकिश्तान की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह नाकाम हैं। आतंकी अब सरकारी प्रतिष्ठानों, पुलिस थानों और सैन्य ठिकानों तक को निशाना बना रहे हैं। यह आतंकी लहर अब सिर्फ सीमित इलाकों में नहीं, बल्कि पूरे देश में फैल चुकी है।

आतंक का अपना जाल पाकिस्तान की सियासत का नतीजा

पाकिश्तान में आतंकवाद कोई नई समस्या नहीं है। यह उसी बीज का परिणाम है जिसे दशकों पहले रणनीतिक गहराई के नाम पर बोया गया था। 1980 के दशक में अफगान युद्ध के दौरान पाकिश्तान ने अमेरिकी सहायता से मुजाहिदीनों को पनाह दी।

बाद में वही मुजाहिदीन तालिबान और अन्य आतंकी संगठनों में बदल गए।पाकिश्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इन आतंकियों को भारत विरोधी नीतियों में मोहरा बनाकर इश्तेमाल किया। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियाँ, मुंबई हमला (2008), पठानकोट, उरी, पुलवामा जैसे हमले इन्हीं नीतियों का परिणाम हैं। अब वही आतंक पाकिश्तान की सीमाओं के भीतर पलटवार कर रहा है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और आतंक का गठजोड़

पाकिश्तान इस समय गहरी आर्थिक मंदी से गुजर रहा है। विदेशी कर्ज, महंगाई और बेरोजगारी ने जनता को त्रश्त कर रखा है। ऐसे हालात में आतंकवाद न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि आर्थिक स्थिरता के लिए भी खतरा बन गया है। विदेशी निवेशक पाकिश्तान से दूर भाग रहे हैं। पर्यटन उद्योग ठप है।

आतंकवादी गतिविधियों ने व्यापारिक गलियारों और परियोजनाओं, जैसे कि चीन-पाकिश्तान आर्थिक गलियारा को भी अस्थिर कर दिया है। चीन भी अब पाकिश्तानी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है क्योंकि उसके नागरिक भी आतंकी हमलों का शिकार हुए हैं।

भारत के लिए बढ़ता खतरा

पाकिश्तान में बढ़ती आतंकी गतिविधियाँ भारत के लिए भी चिंता का विषय हैं। भारत के सुरक्षा तंत्र को इस बात की जानकारी है कि पाकिश्तान की धरती पर सक्रिय संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन, और तहरीक-ए-तालिबान - फिर से रीग्रुप करने की कोशिश में हैं।इन संगठनों के इशारे पर भारत में भी आतंकी नेटवर्क सक्रिय हो सकते हैं।जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात जैसे सीमावर्ती राज्यों में इनकी घुसपैठ की कोशिशें पहले से चल रही हैं।

सोशल मीडिया और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से इन संगठनों की फंडिंग और भर्ती के नए राश्ते खुले हैं।हाल के वर्षों में एनआईए और एटीएस ने कई मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है जो पाकिश्तानी हैंडलर्स से निर्देश ले रहे थे। इसलिए पाकिश्तान में हुई आतंकी घटनाएं भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश की समस्या नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा का पूर्व संकेत हैं।

भारत का अब तक का जवाब सर्जिकल और एयर स्ट्राइक नीति रहा है।अगर पाकिश्तान आतंकी के इशारों पर दिल्ली में बम ब्लास्ट हुआ होगा तो पाकिश्तान की हालत बदतर होने वाली है।भारत उसे छोड़ेगा नही। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंक के खिलाफ नई नीति अपनाई है। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब आतंकी हमलों का जवाब सिर्फ कूटनीतिसे नहीं, बल्कि कार्रवाईसे देगा।

अगर पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों का इस बार के हमले में भी हाथ पाया गया, तो भारत के लिए जवाबी कार्रवाई के विकल्प खुले हैं। भारत के रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि अब आतंक को सिर्फ सीमा पार रोकना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके स्रोत पर प्रहार जरूरी है।इसके साथ ही भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिश्तान को अलग-थलग करने की रणनीति भी अपनाई है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स में पाकिश्तान को ग्रे लिस्ट' में डालने में भारत की भूमिका निर्णायक रही।

आतंकी संगठनों का मकसद भारत-पाक तनाव को बढ़ाना

कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिश्तान के आतंकी संगठन जानबूझकर भारत के साथ तनाव बढ़ाना चाहते हैं।

जब भी पाकिश्तान में राजनीतिक या आर्थिक संकट गहराता है, तब वहां के आतंकी समूह किसी बड़े हमले की साजिश रचते हैं ताकि जनता का ध्यान असली समस्याओं से हटाया जा सके। वर्तमान में पाकिश्तान की राजनीति अस्थिर है। चुनावी अनिश्चितता, सेना की बढ़ती भूमिका, और इमरान खान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन।

ऐसे माहौल में आतंकी गुटों को खुली छूट मिल जाती है। अगर भारत ने जवाबी कार्रवाई की, तो पाकिश्तानी सत्ता वर्ग इसे राष्ट्रीय एकता के नाम पर अपने पक्ष में भुना सकता है। इसीलिए भारत को संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी।

भारत की आंतरिक सुरक्षा खतरे की नई परतें

भारत में भी कुछ आतंकी मॉड्यूल और संगठन पाकिश्तानी इशारों पर सक्रिय पाए गए हैं। एनआईए और पुलिस ने कई बार स्लीपर सेल का भंडाफोड़ किया है। इन समूहों के सदस्य सोशल मीडिया के जरिये कट्टरपंथी विचारधाराओं से प्रभावित होकर भर्ती किए जा रहे हैं। कश्मीर घाटी में उभरते स्थानीय आतंकियों को सीमापार से हथियार और धन मिलता है। वहीं, बड़े शहरों में लोन वुल्फ हमलों का खतरा भी बना रहता है।

इसके अलावा, रोहिंग्या घुसपैठ और अवैध शरणार्थियों के आधार कार्ड बनाए जाने जैसी घटनाओं से भी सुरक्षा तंत्र चिंतित है, क्योंकि यह आतंकी संगठनों को छिपने और घुलने-मिलने का अवसर देती हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देश पाकिश्तान पर पहले ही दबाव बना चुके हैं कि वह आतंकियों को पनाह देना बंद करे। लेकिन पाकिश्तान की दोहरी नीति,एक ओर आतंकवाद के खिलाफ बयानबाज़ी और दूसरी ओर आतंकी संगठनों को राजनीतिक संरक्षण अभी भी जारी है।

चीन, जो पाकिश्तान का सबसे बड़ा आर्थिक सहयोगी है, अब उसके आतंकी हालात से परेशान है। चीन के नागरिकों और सीपीईसी प्रोजेक्ट्स पर हुए हमलों से उसकी नाराज़गी साफ झलकती है।भारत को चाहिए कि वह इस वैश्विक माहौल का लाभ उठाकर आतंक के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर अपनी स्थिति और मजबूत करे। यदि भारत पाकिश्तान की आतंक प्रायोजक छवि को और उजागर करता है, तो उसे कूटनीतिक समर्थन बढ़ सकता है।

भारत के लिए चुनौती यह है कि वह आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाए लेकिन साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति और संयम का संदेश भी दे।इसके लिए भारत को तीन श्तर पर रणनीति बनानी होगी। यही समय की बलिहारि है।

मुख्यमंत्री होकर भी अब उछलकूद नही कर सकेंगे नीतीश कुमार

अशोक मधुप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ये कथन इस बार के बिहार के जनादेश पर सही उतरता है कि बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है। इस जनादेश ने जहां विपक्षी दलों को उनकी औकात बता दी,वहीं नीतीश कुमार को भी बता दिया कि अगले पांच साल भाजपा के बिना गुजारा नही है। मुख्यमंत्री बने रहना है तो भाजपा को साथ लेकर चलना होगा। उसे नजर अंदाज कर मुख्यमंत्री नही रह सकते। इस बार आप पाला नही बदल पाओगे। भाजपा के दबाव में काम करना होगा।

बिहार में नई सरकार गठन को लेकर तस्वीर अब काफी हद तक साफ होती दिख रही है। एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार की ही ताजपोशी होगी, जबकि बीजेपी को दो डिप्टी सीएम दिए जाने की चर्चा तेज है। इस बार भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार कर गई।

ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना अब सरल नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। वैसे ये तय है कि ज्यादा सीट मिलने के कारण नीतीश कुमार के मंत्री मंडल में भी भाजपा के मंत्रियों की संख्या भारी होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर बता दिया कि ये चमत्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति की देन है। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, ,महिलाओं के लिए योजनाएं, मुफ्त शिक्षा, कृषि सुधार तथा बुनियादी ढांचे का विकास आदि शामिल है।

इस बार के चुनाव की विशेषता यह भी है कि बिहार की 243 सीट में एनडीए गठबंधन को 202 ,महांगठबंधन को 35, एआईएमआईएम को पांच और अन्य को एक सीट मिली। भाजपा को 89 सीट मिली और वह प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

नीतीश कुमार की जदयू को 85 सीट मिली। 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ। ये मतदान पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा। ऐसा लगता है कि एनडीए ने एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीता है। महागठबंधन की करारी हार बताती है कि चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास नही जीत सका। इन चुनावों की बड़ी देन चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। सीटों पर उनकी मजबूत पकड़ ने यह बता दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से लिखेंगे।

इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी' नामक एक नया राजनैतिक दल ने भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए। बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं, किंतु किसी को विजय नही मिली।

जन सुराज पार्टी' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं, जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। पार्टी की बुरी हार ने यह साबित कर दिया कि उनके दावों में कोई दम नही था। इस बार ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार की जनता को एनडीए से अपेक्षाएं भी बहुत हैं। देखना है कि एनडीए सरकार उनकी अपेक्षाओं पर कैसे खरी उतरती है। एनडीए को सुशासन लाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए काम करने के साथ साथ राज्य में ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी कि बिहार में तस्करी से शराब न आ सके। शराब बंदी पूरी तरह और सख्ती से लागू हो। कुल मिलाकर बिहार की जनता ने जो भारी मतदान किया वह जंगलराज, परिवारवाद तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ है।

मतदान सुशासन, स्त्री सुरक्षा और पलायन रोकने के पक्ष में है। विपक्ष ने बिहार के जेन-जी को भड़काने का प्रयास किया लेकिन उसने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया। बिहार के चुनाव परिणाम साधारण नहीं है। इनका परिणाम भारत के भविष्य के निर्माण की दिशा तय करने वाला है।इस चुनावी जनादेश को जनविश्वास की कसौटी से देखना होगा।

विश्लेषकों द्वारा बिहार विधानसभा 2025 चुनाव में राजग की जीत सुनिश्चित मानी जा रही थी तथापि महागठबंधन की इतनी करारी हार की आशंका किसी को नहीं थी, राजग और महागठबंधन के नेताओं को भी नहीं। इन परिणामों ने सभी को चौंकाया है। राजग की अप्रत्याशित जीत, भाजपा नीत मोदी सरकार तथा बिहार में नीतीश सरकार पर जनता के भरोसे की जीत है। बीस वर्ष बाद भी लालू के शासनकाल का जंगलराज जनता भूल नहीं पाई है। बिहार की जनता ने जातिवाद, परिवारवाद, मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीतिक को पूरी तरह से ध्वश्त कर दिया है। गरीब, महिला, किसान और युवा मतदाता का नया समीकरण स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

बिहार के 2025 विधानसभा चुनाव न केवल एक राजनीतिक जीत है बल्कि लोकतांत्रिक पुनर्पुष्टि का संकेत हैं। एनडीए की जीत स्पष्ट और व्यापक है, जो महिलाओं, जातिगत गठजोड़, संगठनात्मक मजबूती और मजबूत कल्याण नीतियों के मिश्रण से संभव हुई। वहीं, विपक्ष को यह सोचना होगा कि उसका जनसंवाद आखिर कहाँ चूक गया और भविष्य में उसे कैसे समायोजित किया जाए। यह परिणाम बिहार की राजनीति के अगले अध्याय की शुरुआत हो सकती है - लेकिन यह भी सच है कि लोकतंत्र अब और अधिक सक्रिय, उत्तरदायी और बहुआयामी होता जा रहा है। भविष्य में न सिर्फ पार्टियों की राजनीतिक रणनीतियाँ, बल्कि उनके विकास मॉडल और सामाजिक संकल्प भी इस मतदाता-जनादेश द्वारा परख की जाएँगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सवालों के घेरे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

विश्व राजनीति की अशांत मिट्टी पर खड़े संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का नैतिक व संस्थागत आधार आज पहले से कहीं अधिक प्रश्नों से घिरा है।

जब युद्ध बढ़ते जा रहे हैं, तब शांति का सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं अपनी भूमिका सिद्ध करने में असफल दिख रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1945-आधारित संरचना आज की बहुध्रुवीय और संघर्षग्रस्त दुनिया में शांति बनाए रखने में सक्षम नहीं रह गई है।

वीटो शक्ति का राजनीतिक दुरुपयोग, अप्रतिनिधिक सदस्यता, कमजोर राजनीतिक निरंतरता, असंगठित शांति अभियानों और बड़े मानवीय संकटों पर निष्क्रियता ने यूएनएससी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। वैश्विक दक्षिण की बढ़ती असंतुष्टि और विश्व व्यवस्था में उभरते शक्ति-संतुलन इस संस्था की प्रासंगिकता पर प्रश्न उठाते हैं। संयुक्त राष्ट्र को अपनी वैधता और प्रभावशीलता बचाने के लिए गहरे, व्यावहारिक और कार्यात्मक सुधार अपनाने होंगे-अन्यथा शांति का यह सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं प्रश्नों का केंद्र बन जाएगा।

डॉ. सत्यवान सौरभ

सवालों के घेरे में खड़ा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद केवल एक संस्था का संकट नहीं है, बल्कि यह वैश्विक नैतिक नेतृत्व के क्षरण की बड़ी कहानी भी है।

जब संयुक्त राष्ट्र का जन्म हुआ था, तब दुनिया दूसरी विश्वयुद्ध की राख से निकल रही थी और मानवता ने सामूहिक रूप से यह प्रण लिया था कि भविष्य में किसी भी बड़े युद्ध को रोका जाएगा।

उस सपने का केंद्र था-सुरक्षा परिषद, जिसे शांति का संरक्षक, वैश्विक न्याय का प्रहरी और सामूहिक सुरक्षा का आधार माना गया। मगर आज, लगभग 80 वर्ष बाद, जब दुनिया यूक्रेन, गाज़ा, सूडान, यमन, म्यांमार और साहेल जैसे संघर्षों से दहक रही है, तब यह संस्था अक्सर मौन खड़ी दिखाई देती है।

यह मौन केवल असहायता का प्रतीक नहीं है, बल्कि उस संरचनात्मक कमजोरी का भी संकेत है जिसने वर्षों में इसकी विश्वसनीयता को खोखला कर दिया। जब दुनिया भर के नागरिक शांति की उम्मीद में इस संस्था की ओर देखते हैं, तब यह भू-राजनीतिक हितों की जकड़ में बंधी दिखाई देती है। यही कारण है कि आज शांति का सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं सबसे बड़े सवालों का विषय बन गया है।

सबसे बड़ी समस्या है-वीटो शक्ति से पैदा होने वाला शक्ति-असंतुलन। पाँच स्थायी सदस्य देशों के हाथों में केंद्रित यह शक्ति उन्हें किसी भी प्रश्ताव को रोकने का अधिकार देती है, भले वह प्रश्ताव मानवीय त्रासदी को रोकने जितना आवश्यक ही क्यों न हो। यही कारण है कि गाज़ा में हज़ारों बच्चों की मौतें हों, यूक्रेन में शहरों के शहर तबाह हो जाएँ, या म्यांमार में लोकतांत्रिक संस्थाओं का विनाश हो-सुरक्षा परिषद अक्सर पक्षाघात की स्थिति में दिखाई देती है।

यह एक ऐसे दरवाज़े का दृश्य बन गया है जिसके बाहर सहायता की गुहार लगाने वाले लाखों लोग खड़े होते हैं, लेकिन उस दरवाज़े को खोलने की चाबी कुछ सीमित देशों के हाथों में होती है, जो अपने राष्ट्रीय हितों को वैश्विक शांति से ऊपर रख देते हैं।

सवाल यहाँ से आगे बढ़ता है-क्या शांति किसी राष्ट्र के हितों से छोटी हो सकती है? क्या हत्या और भूख से जूझते लोग किसी स्थायी सदस्य की भू-नीति के कारण मृत्यु के लिए छोड़ दिए जाएँ? क्या संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन का उद्देश्य केवल औपचारिक बयान देना रह गया है? ये प्रश्न आज तीखे होते जा रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर में मीडिया, नागरिक समाज और शांति विशेषज्ञ लगातार यह महसूस कर रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र की नैतिक शक्ति का क्षरण हो चुका है।

दूसरी समस्या है-इस संस्था की संरचना का अप्रतिनिधिक होना। दुनिया 1945 से अब पूरी तरह बदल चुकी है, लेकिन यूएनएससी की संरचना लगभग जड़वत है।

अफ्रीका, जो संघर्षों का केंद्र भी है और शांति के लिए सर्वाधिक योगदान भी देता है, उसका कोई स्थायी प्रतिनिधि नहीं है। भारत जैसा विशाल लोकतंत्र, जिसके योगदान शांति रखरखाव से लेकर मानवीय सहायता तक व्यापक हैं, उसे भी अब तक स्थायी सदस्यता नहीं मिली है। यह एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था का संकेत है जो वाश्तविकता से कट चुकी है।

जहाँ वैश्विक शक्ति-मानचित्र बदल गया है-चीन का उदय हुआ, भारत आर्थिक व राजनीतिक रूप से नई ऊँचाइयों पर पहुँचा, अफ्रीका उभरती संभावनाओं का महाद्वीप बन गया, लातिन अमेरिका राजनीतिक रूप से अधिक मुखर हुआ-वहाँ सुरक्षा परिषद अब भी 1945 की मानसिकता में फंसी है। परिणामस्वरूप, कई देश इसे "वैध" के बजाय केवल "पुरानी व्यवस्था" का अवशेष समझने लगे हैं।

तीसरी समस्या है-शांति अभियानों की राजनीतिक विफलता। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों ने कई जगह हिंसा को रोका जरूर, परंतु राजनीतिक स्थिरता नहीं ला सके। यह ऐसा था मानो किसी टूटते हुए घर की दीवार पर रंग तो कर दिया जाए, लेकिन दरारों की मरम्मत न की जाए। शांति केवल बंदूकें शांत कर देने से नहीं आती; यह आती है संवाद, समावेशन, शासन-सुधार और समाज के भीतर विश्वास पैदा करने से। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का तंत्र शांति स्थापना और राजनीतिक समाधान को एकीकृत नहीं कर पाता।

उदाहरण के लिए, कई अफ्रीकी देशों में शांति सेना लगाने के बाद राजनीतिक मार्गदर्शन का अभाव रहा, जिसके कारण थोड़े समय बाद हिंसा फिर भड़क उठी। यह विफलता केवल संसाधन या क्षमता की नहीं, बल्कि दृष्टि-हीन रणनीति की भी है।

चौथी समस्या है-निरंतरता का अभाव। यूएनएससी अक्सर केवल संकट की शुरुआत में सक्रिय होता है, लेकिन जब स्थिति स्थिर होने लगती है, तब उसकी उपस्थिति कम हो जाती है।

इससे संघर्षग्रश्त देश राजनीतिक संक्रमण के बीच झूलते रह जाते हैं। यह "अधूरी शांति" का निर्माण करता है, जिसका अंत प्रायः नई हिंसा में होता है।

पाँचवीं समस्या है-इन विफलताओं के कारण संयुक्त राष्ट्र के प्रति भरोसे का क्षरण। आज वैश्विक दक्षिण में यह धारणा तेजी से बढ़ रही है कि सुरक्षा परिषद कुछ देशों की राजनीतिक लड़ाई का मैदान बन गया है। यही कारण है कि अफ्रीकी संघ, आसियान, अरब लीग और यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठन अपने-अपने सुरक्षा ढाँचे मजबूत कर रहे हैं, और यह प्रवृत्ति संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को सीमित करती जा रही है।

इन सबके बीच प्रश्न उठता है-क्या समाधान है? क्या यूएनएससी को बदलने की जरूरत है? या उसे पुनर्जीवित करने की? उत्तर है-दोनों।

सुरक्षा परिषद में संरचनात्मक बदलाव आवश्यक हैं-नए स्थायी सदस्य, वीटो शक्ति की समीक्षा, क्षेत्रीय संतुलन-परंतु उससे भी अधिक आवश्यक है कार्यप्रणाली में सुधार। संयुक्त राष्ट्र महासभा अनुच्छेद 22 के तहत नए संस्थान बनाकर सुरक्षा परिषद की कमजोरियों की भरपाई कर सकती है।

एक शांति एवं सतत सुरक्षा बोर्ड जैसी संस्था यह सुनिश्चित कर सकती है कि राजनीतिक निरंतरता बनी रहे, संघर्ष-बाद सुधारों की निगरानी हो, और शांति केवल युद्धविराम पर आधारित न होकर दीर्घकालिक राजनीतिक स्थिरता में बदले।

इसके साथ क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका भी बढ़ानी होगी, क्योंकि वे स्थानीय संस्कृति, राजनीति और जमीनी वाश्तविकताओं को बेहतर समझते हैं। शांति स्थापना अभियानों को राजनीतिक रणनीति के साथ जोड़ना होगा ताकि केवल बंदूकें ही नहीं, बल्कि मन भी शांत हो सकें।

सबसे महत्वपूर्ण है-संयुक्त राष्ट्र को स्वयं अपनी नैतिक विश्वसनीयता को पुनः स्थापित करना होगा। वह तभी संभव है जब वह मानवीय संकटों में समयबद्ध, निष्पक्ष और साहसिक निर्णय लेने में सक्षम हो।

केवल बयान देने की संस्कृति से आगे बढ़कर, उसे वाश्तविक प्रवर्तन-आधारित शांति तंत्र बनना होगा। आज दुनिया भय, ध्रुवीकरण, तकनीकी संघर्ष, आतंकवाद, जल-संकट, और युद्ध की आशंकाओं से जूझ रही है।

ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता मानवता को निराश कर रही है। शांति के इस सबसे बड़े संरक्षक पर उठते सवाल तभी शांत होंगे जब यह संस्था स्वयं को 21वीं सदी के अनुरूप पुनर्निर्मित करेगी।

समय आ गया है कि दुनिया संयुक्त राष्ट्र से वह भूमिका वापस मांगे जिसे निभाने का वादा उसने 80 वर्ष पहले किया था- शांति, न्याय और मानवता की रक्षा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

समूहगान प्रतियोगिता में एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल प्रथम

लखनऊ, एजेंसी। गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में रविवार को भारत विकास परिषद की ओर से क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता हुई। प्रांत स्तर से चयनित विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। जिनमें कानपुर के ब्रह्मावर्त स्थित एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चयनित टीम आगामी राष्ट्रीय स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र स्वरूप शुक्ल ने कहा कि भारत विकास परिषद सदैव संस्कार, सेवा और समर्पण के माध्यम से समाज से जुड़े रहने का कार्य करता रहा है। मुख्य अतिथि भानु प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पर्यवेक्षक प्रमोद कुमार त्रिपाठी, प्रांतीय महासचिव शशिकांत सक्सेना, प्रांतीय कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल सहित अन्य शामिल हुए।

मिस फेमिना ने मलिन बस्ती के बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ की नजाकत, नफासत बेहद पसंद है। घर पर जन्मदिन तो सभी मनाते हैं लेकिन मलिन बस्ती के बच्चों के साथ जन्मदिन मनाकर बेहद खुश हूं। बच्चों का जो प्यार मिला, उससे घर की याद नहीं आई। यह कहना है मिस फेमिना-2024 की विजेता मध्य प्रदेश के उज्जैन की रहने वाली निकिता पोरवाल का। वे रविवार को इंदिरा नगर सेक्टर-19 स्थित आशा वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यालय पर सुबह 10:30 बजे पहुंचीं। केक काटने के बाद 30 बच्चों को स्टेशनरी व 20 महिलाओं को साड़ियां बांटी। वह मिस वर्ल्ड 2026 की तैयारी में जुटी हैं। फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनी वर्मा, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. एमपी. श्रीवास्तव, ज्योति मल्होत्रा, राहिला खान, विभा श्रीवास्तव, किरन सक्सेना सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पार्षद के पति पर रंगदारी मांगने का आरोप, वृद्धाश्रम संचालिका ने कराया मुकदमा

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ महानगर के बन्नादेवी बरौला इलाके के एक वृद्धाश्रम की संचालिका ने पार्षद पति पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज कराते हुए सियाराम वृद्धाश्रम की संचालिका सुनीता शर्मा ने बताया कि घटना 25 जून की है। इलाके के पार्षद पति शिवकुमार उसके आश्रम में आया। वहां आकर उसने आश्रम संचालन के नाम पर 50 हजार रुपये प्रतिमाह मांगे। न देने पर धमकाते हुए झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। अभद्रता करते हुए मोबाइल छीन कर मारपीट तक कर दी। इस मामले में पुलिस स्तर से सुनवाई न होने पर महिला ने कोर्ट की शरण ली। इसी मामले में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएचओ बन्नादेवी एसपी सिंह के अनुसार मामले में साक्ष्यों व तथ्यों की जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बेटे का जन्मदिन छोड़ ड्यूटी पर लौटे थे, आग ने छीन ली जिंदगी- धुएं से घुट गया था दम; हो गई मौत

गोरखपुर, एजेंसी। शनिवार को अनूप का जन्मदिन था। होटल से बार-बार फोन आने की वजह से जन्मदिन मनाए बिना ही पुरुषोत्तम शुक्रवार को गोरखपुर लौट गए थे। रविवार सुबह होटल से फोन आया कि पुरुषोत्तम के साथ हादसा हो गया है। रविवार दोपहर में बेटा अनूप, पत्नी पूनम व भतीजा दीपू गोरखपुर पहुंचे। वॉटर वेज रेस्टोरेंट में आग से जान गंवाने वाले पुरुषोत्तम के बेटे का शनिवार को जन्मदिन था। वह तीन दिन पहले छुट्टी पर गए थे लेकिन शुक्रवार को उनको लौटना पड़ा। एक दिन बाद ही आग ने उनकी जिंदगी छीन ली। इसको देखते हुए पूरा परिवार बलरामपुर के तुलसीपुर में ननिहाल में रहने लगा। नानी की तबीयत अक्सर खराब रहने के कारण पूरा परिवार वहीं जमीन लेकर रहने लगा। पिता पांच साल से रामगढ़ताल स्थित होटल में काम करते थे। तीन दिन पहले छुट्टी लेकर घर आए थे। शनिवार को अनूप का जन्मदिन था। होटल से बार-बार फोन आने की वजह से जन्मदिन मनाए बिना ही पुरुषोत्तम शुक्रवार को गोरखपुर लौट गए थे। रविवार सुबह होटल से फोन आया कि पुरुषोत्तम के साथ हादसा हो गया है। रविवार दोपहर में बेटा अनूप, पत्नी पूनम व भतीजा दीपू गोरखपुर पहुंचे। पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुरुषोत्तम अपने पीछे बेटा अनूप (18) वर्ष व बेटी अनन्या (14) को छोड़ गए हैं। पोस्टमार्टम हाउस पर शव लेने भतीजा पप्पू व बेटा अनूप पहुंचे थे।

राम मंदिर ध्वजारोहण: चुना गया 30 मिनट का श्रेष्ठ मुहूर्त आठ हजार विशिष्ट मेहमान होंगे शामिल, मोबाइल फोन बैन

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में 25 नवंबर को होने वाला ध्वजारोहण समारोह स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोह की गरिमा के साथ संपन्न होगा। वैदिक परंपराओं और आधुनिक शिष्टाचार के बीच सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। इसी अवधि के भीतर चुने गए 30 मिनट के श्रेष्ठ मुहूर्त में ध्वज फहराया जाएगा। यह मुहूर्त दोपहर 12 से 12:30 बजे तक होगा।

समारोह की सबसे महत्वपूर्ण घड़ी वह क्षण होगा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत स्वतंत्रता दिवस के अनुरूप ही ध्वज फहराने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। ध्वज को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सलामी दी जाएगी। शंखनाद, ढोल-नगाड़ों और मंगल वाद्य की ध्वनि पूरे परिसर में गूंजेगी। ध्वज फहराते ही मंदिर परिसर में घंटे-घड़ियाल बजने लगेंगे। समारोह को उसी शिष्टाचार के साथ आयोजित किया जा रहा है जैसा राष्ट्रीय पर्वों पर देखने को मिलता है। ध्वजारोहण की पूरी प्रक्रिया सेना के अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी की जाएगी। परिसर को पारंपरिक ध्वजों, पुष्प और दीप से सजाया जा रहा है। शहरभर में सुरक्षा, यातायात और आगंतुकों की सुविधा की विशेष व्यवस्था की गई है।

रोड शो भी कर सकते हैं ध्वजारोहण समारोह में आ रहे पीएम मोदी : राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में 25 नवंबर को आगमन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में रोड शो भी कर सकते हैं। सोमवार या मंगलवार को एसपीजी के आने पर पीएम मोदी के एयरपोर्ट से राम मंदिर तक का रूट फाइनल होने के बाद इस बारे में अंतिम निर्णय किया जाएगा।

पीएम मोदी के लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक रूप से दो रूट तय किए हैं। पहला विकल्प एयरपोर्ट से महोबरा बाजार होते हुए राम मंदिर तक सड़क मार्ग से जाना प्रस्तावित है। यह मार्ग करीब 12 किमी लंबा है। दूसरे विकल्प के रूप में एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से साकेत कॉलेज में बने हेलीपैड पर उतर कर राम मंदिर तक जाना प्रस्तावित किया गया है। यह मार्ग सिर्फ एक किमी लंबा है। इन दोनों मार्गों पर पीएम के संभावित आवागमन के लिए सुरक्षा व अन्य व्यवस्था से जुड़ी सभी तैयारियां की जा रही हैं। साकेत कॉलेज में तीन हेलीपैड बन कर तैयार हो गए हैं।

प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकरी कई चरणों में इन दोनों प्रस्तावित मार्गों का निरीक्षण कर चुके हैं। एसपीजी के आने के बाद इन दोनों में से कोई एक मार्ग पीएम मोदी के लिए फाइनल किया जाएगा। इसके बाद मार्ग के दोनों लेन पर बैरिकेडिंग करवाई जाएगी। आसपास के घरों और अन्य भवनों पर पीएम के काफिले की मूवमेंट के दौरान सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। सड़क मार्ग पर भी फोर्स मुस्तैद रहेगी। रोड शो पर भी अंतिम निर्णय एसपीजी की सहमति मिलने के बाद ही किया जाएगा।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर के ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 18 नवंबर को अयोध्या आ सकते हैं। सीएम योगी के दोपहर एक बजे के बाद यहां पहुंचने की संभावना है।

सीएम योगी अयोध्या पहुंच कर प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। यह बैठक रामजन्मभूमि परिसर में होगी। बैठक में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री की ओर से राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण समारोह से जुड़े कार्यक्रम स्थलों का भी निरीक्षण किया जाएगा। उनकी ओर से पीएम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की मौजूदगी में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर निर्देश दिए जाएंगे।

अब राम मंदिर में मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे मेहमान : राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए ट्रस्ट व प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। ध्वजारोहण समारोह में आने वाले किसी भी मेहमान को मोबाइल फोन लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। शुरुआत में मेहमानों को मोबाइल साथ ले जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ाने की सिफारिश की। इसके बाद ट्रस्ट और प्रशासन ने संयुक्त समीक्षा के बाद मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

25 नवंबर को राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित है। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत आठ हजार मेहमान शामिल होंगे। मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में बताया गया था कि 25 नवंबर को सभी को सुबह आठ से 10 बजे के भीतर मंदिर में प्रवेश करना होगा। वे अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं, लेकिन अब इस निर्णय को बदल दिया गया है। मेहमानों को खाली हाथ समारोह के लिए आना होगा। परिसर में उनके भोजन, जलपान की व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की जाएगी।समारोह को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। राम जन्मभूमि परिसर में अतिरिक्त मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड और सर्विलांस बढ़ाई जा रही है।

बरेली बवाल का एक भी दोषी बचने न पाए, सीएम योगी ने डीएम-एसएसपी को दिए निर्देश

बरेली, एजेंसी। बरेली शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल का एक भी दोषी बचने न पाए। कार्रवाई ऐसी हो जो नजीर बने और आगे कोई भी शहर का माहौल बिगाड़ने की जुर्रत न कर सके। यह निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य को दिया।

लखनऊ के 5-कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से डीएम और एसएसपी ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री को डीएम ने राम दरबार और एसएसपी ने हनुमान की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री ने एसएसपी से बरेली बवाल में अब तक पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि पुलिस सभी मुकदमों की चार्जशीट अदालत में जल्द दाखिल कर प्रभावी तरीके से पैरवी करे। कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन के स्तर पर कहीं भी लापरवाही न होने आए। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने डीएम से जिले की विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से ही हो और परियोजनाएं नियत समय पर पूरी हों।

जंगल कौड़िया फ्लाईओवर: बढ़ती जा रहीं दरारें... दिल्ली से आएंगे विशेषज्ञ, चार दरारे और दिखीं- बढ़ा खतरा

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर जंगल कौड़िया फ्लाईओवर की छत में दरारें बढ़ती जा रही हैं। रविवार को चार और दरारें दिखने लगीं। अब तक कुल 30 दरारें मिल चुकी हैं। रविवार को भी पूरे दिन मरम्मत का कार्य चला। अधिकारियों का कहना है कि अधिक तापमान के कारण ये माइनर एयर क्रैक्स आए हैं।

फ्लाईओवर की लोड टेस्टिंग के लिए दिल्ली से विशेषज्ञ बुलाए जा रहे हैं। फिलहाल, दरारें बढ़ने से लोगों में दहशत है। स्थानीय लोग निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं और फ्लाईओवर के नीचे से होकर गुजरने से कतरा रहे हैं।

800 मीटर लंबे सिक्सलेन फ्लाईओवर की छत में बीते पांच दिनों से दरारें दिखनी शुरू हुईं। इसके बाद से ही इलााके में दहशत का माहौल है। शनिवार तक 26 दरारें थीं। रविवार को चार और दरारें दिखने लगीं। इसमें कई छोटी दरारें आपस में जुड़कर लंबी हो रही हैं। कुछ दरारें इतनी पतली हैं कि साधारण कैमरे से कैद करना मुश्किल है।

पहले तीन दिन पीएनसी इंफ्राटेक ने खुद दरारें भरने का काम किया, लेकिन पिछले तीन दिनों से एनएचएआई के अधिकारी मौके पर पहुंचकर मुआयना और परीक्षण कर रहे हैं। परियोजना निदेशक ललित प्रताप पाल खुद दो बार मौके पर जा चुके हैं।

रविवार को इंजीनियर और मजदूर दिनभर प्रेशर मशीन से विशेष केमिकल भरते रहे। फ्लाईओवर की सड़क ऊपर से चारकोल और कंक्रीट की तीन परतों से बनी है, जिसमें चारकोल परत पर दरारें नहीं दिखीं। अधिकारियों का दावा है कि कुछ परिस्थितियों में ऐसी दरारें सामान्य हैं और ये आगे नहीं बढ़ेंगी। फ्लाईओवर के नीचे या ऊपर से गुजरना पूरी तरह सुरक्षित है। एनएचएआई ने स्थिति पर लगातार निगरानी का आश्वासन दिया है। वहीं, सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोहिया ब्लॉक के मखनहा गांव में मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। अनुमान है कि मुख्यमंत्री यहां निरीक्षण भी कर सकते हैं।

गर्मी में ढलाई और अधिक तापमान के चलते आईं दरारें : कार्यदायी संस्था पीएनसी इंफ्राटेक के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर केपीएस भदौरिया ने बताया कि छत की ढलाई सीमेंट और कंक्रीट से इसी वर्ष गर्मियों में की गई थी। शटरिंग का पृष्ठ लोहे का होने से तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते यह समस्या हुई। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है।

कमला...क्रूर भी और कोमल भी: स्त्री को परिस्थितियों को बयां करती कहानी पार, कथाकार ने बताई पृष्ठभूमि

आगरा, एजेंसी। स्त्री को परिस्थितियां क्रूर बनाती हैं, लेकिन उसके भीतर की कोमलता कभी नहीं मरती। ये विचार प्रसिद्ध कथाकार महेश कटारे ने अपनी चर्चित कहानी पार पर आयोजित संवाद और समीक्षात्मक गोष्ठी के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उनकी कहानी लगभग 30ङ्क35 वर्ष पूर्व के चंबल की कठोर सच्चाई से जन्मी है, जहां हालात ने कमला जैसे पात्रों को गढ़ा, जो क्रूर के साथ कोमल भी थी। रंगलीला, शीरोज हैंगआउट और प्रेम कुमारी शर्मा स्मृति समारोह समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नागरी प्रचारिणी सभा में किस्सा-कहानी कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता हरिनारायण ने की और मुख्य अतिथि लेखक एवं कथाकार अरुण डंग रहे।

कार्यक्रम में कटारे ने बताया कि शेखर कपूर की फिल्म बैंडिट क्वीन में दिखाए गए कुछ दृश्य तथ्यात्मक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि फूलन देवी पर हुई अमानवीयता सच है, लेकिन फिल्म के कई दृश्य अतिरंजित हैं। बहमई में जब बुजुर्ग महिलाओं से इस मामले को लेकर पूछा तो उन्होंने बताया कि अगर वास्तव में फूलन को आपत्तिजनक अवस्था में पानी भरने भेजा गया होता तो वे स्वयं दोषियों को गोली मार देतीं।

इतिहासकार राज गोपाल सिंह वर्मा ने कहानी को सामाजिक अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। डॉ. खुशी राम शर्मा ने कहा कि यह कथा रेणु और नागार्जुन की तरह यथार्थ की जमीन पर खड़ी है। प्रो. आभा चतुर्वेदी, ब्रिगेडियर विनोद दत्ता, दिलीप रघुवंशी, जाकिर सरदार, सीमांत साहू और डॉ. उमेश दुबे ने भी अपनी राय रखी।

स्वागत भाषण अनिल शुक्ला (निर्देशक, रंगलीला) ने दिया। कार्यक्रम संचालन डॉ. विजय शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन अर्जुन सबेदिया ने किया। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार सिंह, शक्ति प्रकाश, डॉ. महेश धाकड़, शलभ भारती, रमेश पंडित, सुनीता चौहान, मालती कुशवाह, हिमानी चतुर्वेदी, पूनम भार्गव सहित कई साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

बदायूं में सनसनीखेज वारदात: साईं मंदिर के पुजारी की हत्या, चांदी के दो मुकुट लूट ले गए बदमाश

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नवादा इलाके में साईं मंदिर के पुजारी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। बदमाश मंदिर से चांदी के दो मुकुट भी ले गए। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। पुजारी की हत्या के बाद क्षेत्र में रोष फैल गया। हिंदू संगठन के लोग मौके पर पहुंचे और आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव कल्लिया काजमपुर के रहने वाले मनोज शंखधार 15 साल से नवादा स्थित साईं मंदिर पर बतौर पुजारी के रूप में काम करते आ रहे थे। रविवार रात को वह मंदिर परिसर में ही बने कमरे में सो रहे थे। रात में किसी समय बदमाश मंदिर परिसर में घुस आए। उन्होंने पुजारी को बंधक बनाया और गला घोंटकर हत्या कर दी। बदमाश चांदी के दो मुकुट ले गए। दानपात्र से भी रुपये ले जाने की बात सामने आ रही है।

घटना की सोमवार सुबह तब हुई, जब सफाई कर्मी मंदिर में सफाई करने पहुंचा। उसने कमरे में पुजारी का शव पड़ा देखा। पुजारी के गले में कपड़ा कसा हुआ था। उनके पैर भी बांधे गए थे। सफाई कर्मी ने स्थानीय लोगों को सूचना दी। पुजारी की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मंदिर परिसर में गहनता से छानबीन की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच को टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा, जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल की जीत का दावा भाजपा कितनी मजबूत

पश्चिम बंगाल में अभी चुनाव होने में एक साल है ,लेकिन जिस तरह से बिहार चुनाव के रिजल्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में पश्चिम बंगाल का नाम क्या लिया अब चर्चा पश्चिमी बंगाल की छिड़ गई है सबसे बड़ा सवाल यही है , भाजपा इसके लिए कितना तैयार है, भजपा के लिए बिहार विजय का समीकरण पश्चिम बंगाल के राजनीतिक समीकरण से कितना मेल खाता है।

विजय मिश्र

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में चुनाव होने हैं। उन राज्यों के लिए बीजेपी ने अपने राजनीतिक आधार के मजबूत होने का दावा करना शुरू कर दिया है. बिहार चुनाव के बाद प्रधानमंत्री का इशारा मिलते ही भारतीय जनता पार्टी के नेता अब पश्चिम बंगाल जीतने का दावा कर रहे हैं. बिहार में जिस तरह के चुनाव परिणाम आए हैं वह भारतीय जनता पार्टी के लिए नई रणनीति का नया स्वरूप जरूर खड़ा कर रहे हैं. यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी 2026 के मार्च अप्रैल महीने में होने वाले पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर अभी से जीत का दावा करना शुरू कर चुकी है।

लंबे समय से इंतजार कर रही भाजपा का इस बार बिहार विजय चुनाव ने कई नए राजनीतिक समीकरण गढ़ दिए अब तक राजनीतिक समीक्षक इस बात को मानते रहे थे कि देश में जो शहरी विधानसभा सीटे हैं उनको बीजेपी आसानी से जीत लेती है. लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी बीजेपी की उतनी मजबूत पकड़ नहीं है. 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने गठबंधन के नए आधार को खड़ा कर दिया. बिहार में जिस वोट बैंक पर परंपरागत वोट बैंक की बात होती थी वो दावा भी टूट गया।

उदाहरण के तौर पर देखे तो इस बार बिहार कब शहरी क्षेत्र के तीस में 29 सीट जीती , सेमी अर्बन में 12 सीट में 8 सीट पर जीत हासिल हुई, वही 201 ग्रामीण सीट में 167 सीट एनडीए के खाते में गई। कुल 243 में 202 सीट एनडीए के खाते में रही। और सबसे खास बात यह जेडीयू के साथ रहने के कारण उन सीट पर भी जीत मिली जिसमे जातीय समीकरण में मुस्लिम वोटर थे , आंकड़ो की बात करे तो पसमांदा समाज के करीब 5 प्रतिशत वोट भी इस बार एनडीए के खाते में रहा तो वही सामान्य मुसलमान के भी 5 प्रतिशत से ज्यादा वोट एनडीए खिंचने में सफल रही जिसका श्रेय नीतीश का साथ रहना बताया गया। अब बात करते है पश्चिम बंगाल का बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच चल रही चुनावी लड़ाई ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को एक चुनावी जंग में तब्दील कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी में से किसका पलड़ा भारी यह तो 2026 के चुनाव ही बताएंगे लेकिन जो चुनावी समीकरण इससे पहले रहे उसकी बात करते है।

बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच चल रही चुनावी लड़ाई ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को एक चुनावी जंग में तब्दील कर दिया है। एक तरफ़ जहाँ बीजेपी की तरफ़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में बीजेपी अपनी पूरी ताक़त झोंकने की बात कह रही है तो , वहीं दूसरी ओर टीएमसी की सबसे जुझारू नेता ममता बनर्जी ने अपनी रणनीति के सहारे अपनी सत्ता बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

अब सवाल है क्या बंग की जंग में बीजेपी टीएमसी के क़िले में सेंध लगा पाएगी या सिर्फ़ हवा बनाने की कोशिश कर रही है और क्या अंत में तृणमूल कांग्रेस की ही बड़ी जीत होने वाली है?

कई ऐसे पहलू हैं जिससे ऐसा लगता है कि बीजेपी के लिए बंगाल चुनाव उतना आसान नहीं होने जा रहा है। आइए, बारी-बारी से विश्लेषण करते हैं- पिछले चुनाव की बात करे तो भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति यहाँ पर फेल हो गई थी आपको बता दे पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने अपने चुनाव घोषणापत्र में सीएए लागू करने का वादा कर साफ़ कर दिया है कि वह राज्य में अपने एजेंडे पर पूरी तरह क़ायम है और उसमें कोई बदलाव नहीं आया है।

इस बार भी पार्टी के चुनाव प्रचारक भी अपने अभियान में इस पर जोर दे रहे हैं। पर बीजेपी का ब्रह्मास्त्र (ध्रुवीकरण) अब तक यहाँ पर ज़मीनी श्तर पर उतना कारगर होता नहीं दिख रहा है जितना बीजेपी के थिंक टैंक को उम्मीद है।

कुछ क्षेत्रों को छोड़ दें (मुर्शिदाबाद, मालदा, ब्रह्मपुर, हुगली) तो मुसलमान तबक़े का समर्थन ममता बनर्जी को एकतरफ़ा मिलता हुआ दिख रहा है। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण नंदीग्राम है जहाँ ममता को मुसलमान तबक़े का मत एकतरफ़ा मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ़ हिंदू तबक़े में विभाजन साफ़ देखा जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि अभी भी स्थानीय बंगालियों में ममता के प्रति झुकाव बना हुआ है। वही दूसरा सबसे बड़ा कारण है विपक्षी दलों का ममता को सहयोग मिलना आपने देखा होगा।

कांग्रेस और लेफ्ट उसी क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जहाँ उन्हें जीतने की उम्मीद सबसे ज़्यादा है। कांग्रेस नहीं चाहती है कि उसके कारण ममता के मतों में विभाजन हो, खासकर अल्पसंख्यक तबक़े का, और इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी बड़े राष्ट्रीय नेताओं का बंगाल की तरफ रुख न करना। यह साफ दिख है कि कांग्रेस ने पिछले चुनाव में अधीर रंजन चौधरी, गनी खान चौधरी के सहारे मालदा, मुर्शिदाबाद ब्रह्मपुर और दिनाजपुर तक अपने आप को सीमित कर रखा है। जबकि हक़ीक़त यह है कि कांग्रेस अभी भी बंगाल में मुख्य विपक्षी पार्टी है जिनके 44 विधायक हैं।

वही भाजपा की बात करे तो ज्यादातर चुनाव में वह बगैर कप्तान के ही चुनाव में उतरती है , फिर वह चाहे मध्यप्रदेश हो या फिर राजस्थान जहाँ उन्हें भारी सफलता भी मिली लेकिन वही बात पश्चिम बंगाल में खतरा बन जाता है , यहाँ पर बीजेपी के लिए मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित न करना सबसे बड़ा नकारात्मक फ़ैक्टर साबित हो जाता है।

यदि बीजेपी के पास ममता के मुक़ाबले कोई लोकप्रिय चेहरा होता तो मुक़ाबला और दिलचस्प होने की संभावना रहती। बंगाल के लोगों के मानस में यह बात है कि ममता नहीं तो कौन? यह कौन ही भाजपा के लिए मुश्किल खड़ा करता है।

बंगाल की बात करे तो यहाँ पर बीजेपी का अंतरकलह किसी से छिपा हो ,बंगाल बीजेपी की अंदरूनी कलह पार्टी के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द साबित होता दिख रहा है। पिछली बार पार्टी ने टीएमसी से आए क़रीब 150 नेताओं को इ टिकट दिया है जिससे पुराने कार्यकर्ताओं में रोष कायम रहा जो साफ तौर पर देखने को मिला।

वही अन्य राज्यो के मुकाबले यहाँ पर भाजपा का संगठन उतना मजबूत नही है , उत्तरी बंगाल की तुलना में बीजेपी दक्षिण बंगाल में अभी भी संगठनात्मक रूप से बहुत कमजोर है। 2019 लोकसभा चुनाव के परिणाम को भी देखेंगे तो दक्षिण बंगाल में बीजेपी का प्रदर्शन उतना बेहतर नहीं था जितना उत्तर बंगाल में। क़रीब 60 से 65 फ़ीसदी विधानसभा क्षेत्र दक्षिण बंगाल से आते हैं और वहाँ टीएमसी अभी भी अपनी पैठ बनाए हुए है। यदि बीजेपी दक्षिण के क़िले को फतह कर पाती है तो फिर परिणाम बीजेपी के पक्ष में हो सकते हैं।

देखा जाय तो बिहार चुनाव के बाद भाजपा ने पश्चिम बंगाल के लिए अपनी चुनावी बिगुल फूंक दी है , लेकिन यहाँ जीत हासिल करना उतना सरल नही है ,क्योकि जो जातीय समीकरण अन्य राज्यो में है वह पश्चिम बंगाल में नही है वही बाहर से आये नेता और संगठन का पूरी तरह से प्रदेश में स्थापित न हो पाना इससे भी भाजपा को पार पाना होगा हालांकि अगर बंगाल के समीकरण में भाजपा के पक्ष की बात करे तो S I R लागू होना जरूर वोट के समिकरण को बदलेगा।

कोई भी बाहर बैठे, दक्षिण अफ्रीका जीत का रास्ता ढूंढ लेगा : कागिसो रबाडा

कोलकाता, एजेंसी। पसलियों में चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर रहे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बावजूद जीत का रास्ता तलाशने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका की टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट मैच में भारत को तीन दिन के अंदर 30 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका की यह पिछले 15 साल में भारतीय धरती पर पहली जीत थी जिससे उसने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। रबाडा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका ढूंढ लेंगे। (कप्तान) तेम्बा (बावुमा) ने हमारे लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था। बावुमा चोटिल होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाने के बाद अंतिम एकादश में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जो भी मैदान पर उतरेगा, हमारा मानना है कि वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा सकता है। दक्षिण अफ्रीका यहां के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन की सराहना की, जिसमें कप्तान बावुमा की दूसरी पारी में खेली गई 55 रन की पारी भी शामिल है। रबाडा ने कहा, 'पहली पारी में एडेन (मार्करम) और (रयान) रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को (यानसन) ने अच्छा प्रदर्शन किया। बोस्ची (कॉर्बिन बॉश) अहम मौकों पर डटे रहे। सभी ने योगदान दिया और यही इस टीम की विशेषता है।

दिनेश कार्तिक की चेतावनी, सुंदर को नंबर-3 पर भेजकर टीम इंडिया कर रही है बड़ी गलती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने वॉशिंगटन सुंदर को एक चौंकाने वाला प्रमोशन दिया और उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। हालांकि यह प्रयोग उम्मीद के मुताबिक नहीं चला और सुंदर दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 60 रन ही बना पाए। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में भी उनका असर बिल्कुल नहीं दिखा और पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका।

कार्तिक ने जताई चिंता— 'यह उनकी गेंदबाजी पर असर डालेगा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने इस फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि सुंदर को टॉप ऑर्डर में भेजना उनकी गेंदबाजी क्षमता पर बड़ा असर डाल सकता है। कार्तिक ने कहा: 'अगर आप सुंदर को नंबर-3 भेज रहे हैं, तो आप उन्हें बता रहे हैं कि अब वह बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देना होगा। जैसे-जैसे वह बैटिंग पर समय देंगे, उनकी गेंदबाजी की प्रैक्टिस घटेगी– और दोनों में टॉप पर रहना शारीरिक रूप से संभव नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि लंबे वक्त में यह फैसला उनके गेंदबाजी कौशल को नुकसान पहुंचा सकता है।

फुटबॉल:

रोनाल्डो खेल सकते हैं छठा विश्व कप

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल ने 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले फीफा फुटबॉल विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। पुर्तगाल के विश्व कप में जगह बनाने के साथ ही स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलने की संभावना बढ़ गई है। रोनाल्डो आर्मेनिया के खिलाफ हुए मैच में पुर्तगाल टीम का हिस्सा नहीं थे। अगले जून में शुरू होने वाले विश्व कप तक रोनाल्डो 41 साल के हो जाएंगे। रोनाल्डो ने हाल ही में कहा था कि अगला विश्व कप उनका आखिरी विश्व कप हो सकता है। अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं, तो वे पुर्तगाल के लिए खेल सकते हैं। रोनाल्डो और उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी, अगर अगले साल के टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं, तो वे अपने छठे विश्व कप में खेलेंगे। गत विजेता अर्जेंटीना ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। मेसी ने 2022 में कतर में अर्जेंटीना को खिताब दिलाकर अपने करियर की लंबी महत्वाकांक्षा पूरी की थी। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए यूरोपीय चैम्पियनशिप और दो नेशंस लीग खिताब जीते हैं, लेकिन विश्व कप नहीं जीत पाए हैं। वह अपने करियर के अंत के करीब हैं और सऊदी अरब में खेलने के लिए शीर्ष यूरोपीय फुटबॉल को पीछे छोड़ चुके हैं, फिर भी उन्होंने अपने उल्लेखनीय करियर को और निखारना जारी रखा है। रोनाल्डो के लिए निश्चित रूप से ये आखिरी विश्व कप है। मेसी का विश्व कप जीतने का सपना पिछली बार पूरा हो गया था। रोनाल्डो भी आगामी विश्व कप जीतकर अपने स्वर्णिम करियर का यादगार समापन करना चाहेंगे। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए खेले 226 मैचों में 143 गोल किए हैं। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबॉलर हैं।

बतौर हेड कोच राजस्थान रॉयल्स में संगकारा की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच के रूप में श्रीलंकाई दिग्गज क्रिकेटर कुमार संगकारा की टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ संगकारा क्रिकेट निदेशक के रूप में भी अपनी भूमिका जारी रखेंगे। इस बीच फ्रेंचाइजी ने विक्रम राठौर को मुख्य सहायक कोच के पद पर पदोन्नत किया है, जबकि शेन बॉन्ड गेंदबाजी कोच बने रहेंगे। इनके अलावा, ट्रेवर पेनी सहायक कोच और सिड लाहिड़ी प्रदर्शन कोच के रूप में वापसी करेंगे। संगकारा की नियुक्ति को लेकर फ्रेंचाइजी के मुख्य मालिक मनोज बडाले ने कहा, 'जब हमने विचार किया कि इस समय टीम को क्या चाहिए, तो हमें लगा कि टीम के साथ उनकी सहजता, उनका नेतृत्व और रॉयल्स के कल्चर की उनकी गहरी समझ निरंतरता और स्थिरता का सही संतुलन लाएगी।' उन्होंने कहा, 'एक लीडर के रूप में हमें कुमार (संगकारा) पर हमेशा पूरा भरोसा रहा है।

स्मृति मंधाना की शादी में टीम इंडिया का लगेगा जमावड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। खबर है कि 23 नवंबर को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शादी करने वाली है। वो अपने बॉयफ्रेंड पलाश मुच्छल के साथ 7 फेरे लेंगी। पलाश के साथ स्मृति पिछले 6 साल में रिलेशनशिप में थीं। लेकिन, अब दोनों अपने रिश्ते को एक नया नाम देने जा रहे हैं। स्मृति मंधाना जहां क्रिकेट फील्ड से जुड़ी हैं। वहीं उनके होने वाली पति पलाश मुच्छल फिल्मी दुनिया के खिलाड़ी हैं। वो फिल्में बनाते हैं। स्मृति और पलाश की शादी में टीम इंडिया के खिलाड़ियों का जमावड़ा लगेगा, इसे लेकर टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बड़ा अपडेट दिया है।

सीरीज खत्म होने पर किस बात का गम?

अब बिना बात के तो कोई बात निकलती नहीं। हरमनप्रीत कौर ने भी स्मृति मंधाना की शादी में जाने की बात तब कही जब वो ये बयां कर रही थीं कि वो सब एक दूसरे के साथ को काफी मिस करते हैं। हरमनप्रीत ने बताया कि हम एक-दूसरे का साथ मिस करते हैं। जब सीरीज या टूर्नामेंट खत्म होने वाली होती है तो हम सोचते हैं कि फिर अगली मुलाकात कब होगी? किस सीरीज में होगी?

उम्मीद है स्मृति की शादी में मिलेंगे सारे खिलाड़ी- हरमनप्रीत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अपनी कप्तानी में वर्ल्ड चैंपियन बनने का स्वाद चखाने वाली हरमनप्रीत कौर ने क्रिकेटनेक्स्ट से बातचीत में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम सब यानी टीम के सारे खिलाड़ी स्मृति की शादी में जाएंगे। भारत को पहली बार महिला वर्ल्ड कप जिताने वाली कप्तान ने ऐसा तब कहा जब उनसे पूछ गया कि क्या अब सारे टीममेट स्मृति की शादी में मिलने वाले हैं?

मौजूदा टीम में शादी करने वाली स्मृति पहली होंगी

भारत की मौजूदा महिला क्रिकेट में टीम अभी कोई भी खिलाड़ी शादी-शुदा नहीं है। ऐसे में रिपोर्ट के मुताबिक 23 नवंबर को स्मृति मंधाना शादी करने वाली टीम की पहली खिलाड़ी बनेंगी। स्मृति मंधाना के लिए इससे बड़ी बात क्या होगी कि वो वर्ल्ड चैंपियन बनकर शादी करने जा रही है। भारत में खेले महिला वनडे वर्ल्ड कप में स्मृति मंधाना दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं थीं। उनकी दिलाई शुरुआत, उनके बल्ले से निकले रनों ने भारतीय महिला टीम को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

रणजी ट्रॉफी:

अर्जुन तेंदुलकर ने लगाया शतक, प्रेरक मांकड़-समर की शतकीय पारी; गोवा के खिलाफ सौराष्ट्र बेहद मजबूत

दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के 5वें चरण के मुकाबले में गोवा के खिलाफ सौराष्ट्र ने पहली पारी में 7 विकेट पर 585 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। गोवा को इस स्कोर तक पहुंचाने में टीम के बल्लेबाज प्रेरक मांकड़ और समर गज्जर की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा तो वहीं अर्जुन तेंदुलकर ने रनों का शतक लगा दिया।

अर्जुन तेंदुलकर ने लुटाए 145 रन

सौराष्ट्र के खिलाफ गोवा के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ज्यादा प्रभावी नहीं रहे और उन्होंने 29 ओवर में 145 रन लुटाए और सिर्फ एक सफलता उन्हें मिली। हालांकि गोवा की तरफ से दर्शन मिसाल ने भी 46 ओवर में 195 रन दिए, लेकिन उन्होंने 4 सफलता हासिल की। पहली पारी में गोवा के लिए वी कौशिक और मोहित को भी एक-एक सफलता मिली। इस मैच में सौराष्ट्र ने टॉस जीता था और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम के ओपनर हर्विक देसाई ने 45 रन की पारी खेली जबकि चिराग जानी 18 रन के स्कोर पर निपट गए। तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए जय गोहिल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 68 रन बनाए जबकि अर्पित ने 81 रन की पारी खेली। सौराष्ट्र के मध्यक्रम के बल्लेबाज प्रेरक ने शानदार पारी खेलते हुए 4 छक्के और 18 चौकों की मदद से 155 रन की शानदार पारी खेली तो वहीं समर ने भी एक छक्का और 14 चौकों के साथ 116 रन बना डाले। इसके अलावा हितविक कोटक 50 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि पार्थ ने 26 रन तो वहीं धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने 15 रन बनाए और नाबाद रहे। सौराष्ट्र ने 7 विकेट पर 585 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी।

एशेज सीरीज के बीच सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को मिला इस मुकाबले में मौका

मेलबर्न, एजेंसी। एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से होने जा रही है। सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बीच दो दिवसीय वार्म अप मैच खेला जाएगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को इंग्लैंड के खिलाफ प्राइम मिनिस्टर इलेवन में शामिल किया गया है।

'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के हवाले से लिखा, 'प्राइम मिनिस्टर इलेवन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक गौरवशाली परंपरा है। मुझे इस महीने के अंत में इंग्लैंड इलेवन से भिड़ने वाली टीम की पुष्टि करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह टीम हमारी घरेलू क्रिकेट प्रणाली में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बारे में बताती है। मैं विशेष रूप से हमारे कुछ उभरते सितारों को यह मौका हासिल करते हुए देखकर उत्साहित हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली एशेज सीरीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह विश्व क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विता है। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की भिड़ंत हमेशा कुछ अलग ही मायने रखती है। इस मुकाबले की शुरुआत 29 नवंबर से कैनबरा में होगी, जिसमें विक्टोरियन बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब पिंक बॉल मैच में टीम की अगुवाई करेंगे। यह मुकाबला गाबा में होने वाले डे-नाइट टेस्ट मैच की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसकी शुरुआत 4 दिसंबर से होगी। सैम कोंस्टास के साथ इस टीम में अंडर-19 विश्व कप विजेता चार्ली एंडरसन, ओलिवर पीक और ह्यूग वीबगेन भी शामिल हैं। इनके अलावा, अनुभवी पीटर सिडल इस अभ्यास मैच में खेलेंगे।

नाथन मैकस्वीनी टीम में एक अन्य टेस्ट खिलाड़ी हैं, जबकि तेज गेंदबाज सैम स्केली स्थानीय एसीटी प्रतिनिधि हैं। टिम पेन टीम के इस टीम के कोच हैं। एक ओर यह मुकाबला खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को परखने का मौका होगा। वहीं, दूसरी ओर फैंस को कैनबरा में पिंक बॉल से क्रिकेट का आनंद लेने का एक शानदार मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज में पांच मुकाबले 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेले जाएंगे।

माइकल वॉन की भविष्यवाणी

2-2 से बराबरी पर खत्म होगी एशेज सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से पर्थ में होने जा रही है। इस सीरीज में पांच मुकाबले खेले जाने हैं।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने भविष्यवाणी की है कि एशेज सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म होगी, जबकि एक मैच ड्रॉ रहेगा। माइकल वॉन का कहना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लिश टीम पर्थ में सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल करेगी, जिसकी वजह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस और

जोश हेजलवुड का इस मैच से बाहर होना है। माइकल वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अगर बेन स्टोक्स फिट रहते हैं, तो मुझे लगता है कि यह सीरीज 2-2 से बराबर रहेगी। इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पैट या जोश की गैरमौजूदगी में जीतेगी। अगर सीरीज के पहले टेस्ट से पहले कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं होता, तो यही मेरी आखिरी भविष्यवाणी है।

पैट कमिंस फिलहाल पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि तेज गेंदबाज हेजलवुड को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई।

हरभजन सिंह का बयान

कोलकाता की पिच ने टेस्ट क्रिकेट का विनाश कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में तैयार की गई अत्यधिक गेंदबाज-हितैषी पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की सतहें 'टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद कर रही हैं।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से हार झेलनी पड़ी और मैच तीन दिनों के भीतर समाप्त हो गया।

'टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि' — हरभजन

अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए हरभजन ने कहा, 'उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।' उन्होंने दावा किया कि कई सालों से ऐसी पिचें तैयार की जा रही हैं, लेकिन जब टीम जीत जाती है तो इस मुद्दे पर कोई सवाल नहीं उठाता। हरभजन ने आगे कहा कि लगातार ऐसी पिचों पर खेलने से न बल्लेबाज विकसित हो पाते हैं और न गेंदबाज। 'आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई असली फायदा नहीं है। खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ रहे, बस चक्की में बंधे बैल की तरह घूमते जा रहे हैं।'

'कौशल नहीं, पिच के कारण गिर रहे विकेट'

2001 में इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 विकेट लेने वाले हरभजन ने कहा कि ऐसी पिचें क्रिकेटरों की असली काबिलियत को छुपा देती हैं। उन्होंने कहा, 'यहां बल्लेबाज ऐसे दिखते हैं जैसे उन्हें रन बनाना आता ही नहीं। लोग कौशल के दम पर नहीं, बल्कि पिच के कारण आउट हो रहे हैं। यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।'

दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट 22 नवंबर से खेला जाएगा।

भारत को पाकिस्तान ने 8 विकेट से हराया

एशिया कप राइजिंग स्टार्स:

दूसरे विकेट के लिए 39 और मोहम्मद फैक (16 रन) के साथ नाबाद 43 रन की साझेदारी की। पाकिस्तान ने 13.2

दोहा, एजेंसी। एसीसी पुरुष एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 में रविवार को दोहा के वेस्ट एंड पार्क अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने भारत को 8 विकेट से हराया। 137 रन के लक्ष्य को पाने उतरी पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों माज सदाकत और मोहम्मद नईम ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 5.3 ओवर में 55 रन जोड़े। नईम 10 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हो गए। सदाकत टीम को जीत दिलाकर ही लौटे। सदाकत ने 47 गेंद पर 4 छक्के और 7 चौके की मदद से नाबाद 79 रन की पारी खेली। सदाकत ने यासिर खान के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 और मोहम्मद फैक (16 रन) के साथ नाबाद 43 रन की साझेदारी की। पाकिस्तान ने 13.2 ओवर में 2 विकेट पर 137 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की तरफ से वैभव सूर्यवंशी और नमन धीर ही ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्यवंशी ने 28 गेंद पर 3 छक्के और 5 चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए धीर ने 20 गेंद पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा, हर्ष दुबे ने 19, रमनदीप सिंह ने 11 और प्रियांश आर्य ने 10 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सके। भारतीय टीम 19 ओवर में 136 पर ऑल आउट हो गई थी। पाकिस्तान की तरफ से शाहिद अजीज ने 3, साद मसूद और माज सदाकत ने 2-2, उबैद शाह, अहमद दानियाल और सुफियान मुकीम ने 1-1 विकेट लिए।